



RACE IAS

A Leading Institute For Civil Services Examinations

ANSWERS & EXPLANATIONS

GENERAL STUDIES (P) 2026

**ANCIENT + MEDIEVAL HISTORY & ART
AND CULTURE**

EXAM DATE : 29-11-2026

QUESTIONS BOOKLET NO. : 2911347501

1. Answer A

- Rajaraja destroyed the Chera navy at Trivandrum and attacked Quilon. He then conquered Madurai and captured the Pandyan king. He also invaded Sri Lanka and annexed its northern part to his empire. Hence statement 2 is not correct.
- The most famous of these was the Brihadishwara temple at Tanjore which was completed in 1010. The Chola rulers adopted the practice of having inscriptions written on the walls of these temples, giving a historical narrative of their victories. That is why we know a great deal more about the Cholas than their predecessors. Hence statement 3 is correct.
- One of the most remarkable exploits in the reign of Rajendra I was the march across Kalinga to Bengal in which the Chola armies crossed the river Ganga, and defeated two local kings. This expedition, which was led by a Chola general, took place in 1022 and followed in reverse the same route which the great conqueror Samudragupta had followed.
 - To commemorate this occasion, Rajendra I assumed the title of Gangaikondachola ('the Chola who conquered the Ganga'). He built a new capital near the mouth of the Kaveri river and called it Gangaikondacholapuram ('the city of the Chola who conquered the Ganga'). Hence statement 1 is not correct.

2. Answer C

- The Pandyas are first mentioned by Megasthenes, who says that their kingdom was celebrated for pearls. He also speaks of it being ruled by a woman, which suggests some matriarchal influence in Pandya society. Hence statement 1 is correct.
- The Pandya territory: Occupied the southernmost and the south-eastern portion of the Indian peninsula, and it roughly included the modern districts of Tirunelveli, Ramnad, and Madurai in Tamil Nadu, with its capital at Madurai. Hence statement 2 is not correct.
- The literature compiled in the Tamil academies in the early centuries of the Christian era and called the Sangam literature refers to the Pandya rulers, but it does not provide any coherent account. One or two Pandya conquerors are mentioned. However, this literature shows clearly that the state was wealthy and prosperous.

1. उत्तर ए

- राजराजा ने त्रिवेन्द्रम में चेर नौसेना को नष्ट कर दिया और किलोन पर हमला कर दिया। फिर उसने मदुरै पर विजय प्राप्त की और पांडियन राजा को पकड़ लिया। उसने श्रीलंका पर भी आक्रमण किया और उसके उत्तरी भाग को अपने साम्राज्य में मिला लिया। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- इनमें से सबसे प्रसिद्ध तंजौर का बृहदीश्वर मंदिर था जो 1010 में बनकर तैयार हुआ था। चोल शासकों ने इन मंदिरों की दीवारों पर अपनी जीत का ऐतिहासिक विवरण देने वाले शिलालेख लिखने की प्रथा को अपनाया। यही कारण है कि हम चोलों के बारे में उनके पूर्ववर्तियों से कहीं अधिक जानते हैं। अतः कथन 3 सही है।
- राजेंद्र प्रथम के शासनकाल में सबसे उल्लेखनीय कारनामों में से एक कलिंग से बंगाल तक का मार्च था जिसमें चोल सेनाओं ने गंगा नदी को पार किया और दो स्थानीय राजाओं को हराया। यह अभियान, जिसका नेतृत्व एक चोल सेनापति ने किया था, 1022 में हुआ और उसी मार्ग का उल्टा अनुसरण किया जिसका अनुसरण महान विजेता समुद्रगुप्त ने किया था।
 - इस अवसर को मनाने के लिए, राजेंद्र प्रथम ने गंगैकॉंडचोल ('चोल जिसने गंगा पर विजय प्राप्त की') की उपाधि धारण की। उन्होंने कावेरी नदी के मुहाने के पास एक नई राजधानी बनाई और इसे गंगैकॉंडचोलपुरम ('चोल का शहर जिसने गंगा पर विजय प्राप्त की') कहा। अतः कथन 1 सही नहीं है।

2. उत्तर सी

- पांड्यों का उल्लेख सबसे पहले मेगस्थनीज ने किया है, जो कहता है कि उनका साम्राज्य मोतियों के लिए मनाया जाता था। वह इस पर एक महिला द्वारा शासित होने की भी बात करता है, जो पांड्य समाज में कुछ मातृसत्तात्मक प्रभाव का सुझाव देता है। अतः कथन 1 सही है।
- पांड्य क्षेत्र: भारतीय प्रायद्वीप के सबसे दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी हिस्से पर कब्जा कर लिया, और इसमें मोटे तौर पर तमिलनाडु के तिरुनेलवेली, रामनाड और मदुरै के आधुनिक जिले शामिल थे, जिनकी राजधानी मदुरै थी। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- ईसाई युग की प्रारंभिक शताब्दियों में तमिल अकादमियों में संकलित साहित्य और जिसे संगम साहित्य कहा जाता है, पांड्य शासकों को संदर्भित करता है, लेकिन यह कोई सुसंगत विवरण प्रदान नहीं करता है। एक या दो पाण्ड्य विजेताओं का उल्लेख मिलता है। हालाँकि, यह साहित्य स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि राज्य समृद्ध और समृद्ध था।

3. Answer D

- Pushyabhutis or Vardhana dynasty of Thanesar: An important ruling family to gain prominence after the fall of the Gupta was the Pushyabhutis who had their capital at Thanesar (Thanesvara in Kurukshetra).
- The dynasty became influential with the accession of Prabhakara Vardhana, who was able to defeat the Hunas and strengthen his position in the regions of Punjab and Haryana. Hence, statement 1 is not correct.
- We have two valuable sources that throw important light on the life and times of Harshavardhana (606–647). These are Harshacarita written by his court poet Banabhatta and Si-Yu-Ki, the travel account of the Chinese Buddhist pilgrim Hsuan Tsang, who visited India during AD 629–644. Hence, statement 2 is not correct.
- But he was defeated by Pulakesin II, the Chalukya ruler, on the banks of river Narmada. The river thus became the southern boundary of his kingdom. The death of Harsha in AD 647 was followed by a political confusion that continued up to the eighth century when the Gurjara Pratiharas, the Rajput rulers, emerged as a big force in northern India. Hence, statement 3 is not correct.

4. Answer B

- The Kalpa Sutra and the Kalakacharya-Katha, the two very popular Jain texts were repeatedly written and illustrated with paintings.
- Kalakacharya Katha tells the story of a great Jain muni of the Shwetambar school called Kalak. His sister and he joined the Jain monastic order at an early age. He was extremely knowledgeable and she was extremely beautiful. Even though she was a nun, she was abducted by the king of Ujjaini.
- The story of Kalak Acharya Katha was added as an appendix to the Kalpasutra, which tells the story of the three types of special beings of the Jain universe: the heroic Vasudeva, the regal Chakravartiy, and the wise Tirthankaras. Kalpasutra describes the cosmogony of the Jain world.

3. उत्तर डी

- थानेसर का पुष्यभूति या वर्धन राजवंश: गुप्त के पतन के बाद प्रमुखता हासिल करने वाला एक महत्वपूर्ण शासक परिवार पुष्यभूति था जिनकी राजधानी थानेसर (कुरुक्षेत्र में थानेश्वर) में थी।
- प्रभाकर वर्धन के राज्यारोहण के साथ यह राजवंश प्रभावशाली हो गया, जो हूणों को हराने और पंजाब और हरियाणा के क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत करने में सक्षम था। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।
- हमारे पास दो मूल्यवान स्रोत हैं जो हर्षवर्द्धन (606-647) के जीवन और समय पर महत्वपूर्ण प्रकाश डालते हैं। ये उनके दरबारी कवि बाणभट्ट द्वारा लिखित हर्षचरित और चीनी बौद्ध तीर्थयात्री ह्वेन त्सांग का यात्रा वृत्तांत सी-यू-की हैं, जिन्होंने 629-644 ई. के दौरान भारत का दौरा किया था। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- लेकिन वह चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय से नर्मदा नदी के तट पर हार गया। इस प्रकार नदी उसके राज्य की दक्षिणी सीमा बन गई। 647 ई. में हर्ष की मृत्यु के बाद एक राजनीतिक भ्रम पैदा हुआ जो आठवीं शताब्दी तक जारी रहा जब राजपूत शासक, गुर्जर प्रतिहार, उत्तरी भारत में एक बड़ी ताकत के रूप में उभरे। इसलिए, कथन 3 सही नहीं है।

4. उत्तर बी

- कल्प सूत्र और कालकाचार्य-कथा, दो बहुत लोकप्रिय जैन ग्रंथ बार-बार लिखे गए और चित्रों के साथ चित्रित किए गए।
- कलाकाचार्य कथा श्वेतांबर संप्रदाय के एक महान जैन मुनि कलाक की कहानी बताती है। उनकी बहन और वह कम उम्र में ही जैन मठ में शामिल हो गए। वह अत्यंत ज्ञानी था और वह अत्यंत सुंदर थी। भिक्षुणी होते हुए भी उज्जयिनी के राजा ने उसका अपहरण कर लिया था।
- कलाक आचार्य कथा की कहानी को कल्पसूत्र के परिशिष्ट के रूप में जोड़ा गया था, जो जैन ब्रह्माण्ड के तीन प्रकार के विशेष प्राणियों की कहानी बताता है: वीर वासुदेव, राजसी चक्रवर्ती और बुद्धिमान तीर्थंकर। कल्पसूत्र जैन जगत के ब्रह्माण्ड विज्ञान का वर्णन करता है।

5. Answer B

- The Mauryan Empire had an efficient and centralized administrative system. The chief source of information regarding administration under the Mauryan Empire is Chanakya's work, Arthashastra. Megasthenes also gives some information in his book Indika.
- Revenue in the Mauryan Empire was collected on land, irrigation, shops, customs, forests, ferries, mines, and pastures. License fees were collected from artisans and fines were charged in the law courts. The Mauryas attached greater importance to assessment than to storage and depositing. The samaharta was the highest executive official in charge of assessment and the sannidhata was the chief custodian of the state treasury and storehouse.

6. Answer B

- The teachings of Buddha form the core of Buddhism. Buddhism did not recognize the existence of God. Buddhism accepts the idea of transmigration (samsara) but rejects the idea of the eternal atman (soul).
- Buddhism does believe in the theory of rebirth. According to Buddhism rebirth is governed by the cumulative results of the karma of a particular life. Karma means intentions that lead to actions of body, speech, or mind.

7. Answer A

- Chaityas were the places of worship and congregation while viharas were the places of residents of Buddhist monks. Hence both statements 1 and 2 are not correct.
- In western India, many Buddhist caves dating back to the second century BCE onwards have been excavated. The front of the chaitya hall is dominated by the motif of a semi-circular chaitya arch with an open front that has a wooden facade and, in some cases, there is no dominating chaitya arch window such as found at Kondivite. In all the chaitya caves a stupa at the back is common. Hence statement 3 is correct.

5. उत्तर बी

- मौर्य साम्राज्य में एक कुशल और केंद्रीकृत प्रशासनिक व्यवस्था थी। मौर्य साम्राज्य के तहत प्रशासन के संबंध में जानकारी का मुख्य स्रोत चाणक्य का काम, अर्थशास्त्र है। मेगस्थनीज ने अपनी पुस्तक इंडिका में भी कुछ जानकारी दी है।
- मौर्य साम्राज्य में राजस्व भूमि, सिंचाई, दुकानों, सीमा शुल्क, जंगलों, घाटों, खानों और चरागाहों पर एकत्र किया जाता था। कारीगरों से लाइसेंस शुल्क वसूला जाता था और अदालतों में जुर्माना वसूला जाता था। मौर्यों ने भंडारण और जमा करने की तुलना में मूल्यांकन को अधिक महत्व दिया। समाहर्ता मूल्यांकन का प्रभारी सर्वोच्च कार्यकारी अधिकारी था और सन्नधिदाता राज्य के खजाने और भंडारगृह का मुख्य संरक्षक था।

6. उत्तर बी

- बुद्ध की शिक्षाएँ बौद्ध धर्म का मूल हैं। बौद्ध धर्म ईश्वर के अस्तित्व को नहीं मानता था। बौद्ध धर्म स्थानांतरण (संसार) के विचार को स्वीकार करता है लेकिन शाश्वत आत्मा के विचार को अस्वीकार करता है।
- बौद्ध धर्म पुनर्जन्म के सिद्धांत में विश्वास करता है। बौद्ध धर्म के अनुसार पुनर्जन्म किसी विशेष जीवन के कर्मों के संचयी परिणामों से नियंत्रित होता है। कर्म का अर्थ है वे इरादे जो शरीर, वाणी या मन के कार्यों की ओर ले जाते हैं।

7. उत्तर ए

- चैत्य पूजा और मण्डली के स्थान थे जबकि विहार बौद्ध भिक्षुओं के निवास स्थान थे। अतः कथन 1 और 2 दोनों सही नहीं हैं।
- पश्चिमी भारत में ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी के बाद की कई बौद्ध गुफाओं की खुदाई की गई है। चैत्य हॉल के सामने एक खुले मोर्चे के साथ एक अर्ध-गोलाकार चैत्य मेहराब की आकृति का प्रभुत्व है, जिसमें एक लकड़ी का मुखौटा है और, कुछ मामलों में, कोई प्रमुख चैत्य मेहराब खिड़की नहीं है, जैसा कि कोण्डिवाइट में पाया जाता है। सभी चैत्य गुफाओं में पीछे की ओर एक स्तूप होना आम बात है। अतः कथन 3 सही है।

8. Answer B

- The Chalcolithic age began in different parts of India, after the Neolithic age. During this people used metal (copper) for the first time. Hence it is known as the stone copper age. However, people were not aware of the art of writing during this period and no specimens of the pictographic script have been found. The pictographic script belongs to the Indus Valley Civilization. Hence statement 1 is not correct and statement 3 is correct.
- The Chalcolithic people had a better knowledge of agriculture compared to the Neolithic culture and thus cultivated far more crops than the latter. In particular, they cultivated barley, wheat, and lentil in western India, and rice in southern and eastern India. Their cereal food was supplemented by non-vegetarian food. Hence statement 2 is correct.

9. Answer A

- Satavahanas became prominent in the Indian political scene sometime in the middle of the first century BC. Gautamiputra Satakarni (first century AD) is considered to be the greatest of the Satavahana rulers. He is credited with the extension of Satavahana dominions by defeating Nahapana, the Shaka ruler of Western India. Simuka was the founder of the Satavahana Dynasty. Hence, statement 3 is not correct.

Satavahana Society:

- The Satavahanas originally seem to have been a Deccan tribe. They however were so brahmanized that they claimed to be Brahmanas. Their most famous king, Gautamiputra Satakarni, described himself as a brahmana and claimed to have established the four fold varna system which had fallen into disorder. He boasted that he had put an end to the intermixture between the people of different social orders. He considered it their primary duty to uphold the varna system i.e. the fourfold division of social structure. Hence, statement 2 is not correct.
- Indigenous tribal people were increasingly acculturated by the Buddhist monks who were induced by land grants to settle in western Deccan. It is suggested that traders too supported the Buddhist monks, for the earliest caves seem to have been located on the trade routes.
- Satavahanas kings were the first in Indian history to make tax-free land grants to Buddhists and Brahmanas to gain religious merit. This practice became more prominent in succeeding periods. Hence, statement 1 is correct.

8. उत्तर बी

- नवपाषाण युग के बाद भारत के विभिन्न हिस्सों में ताम्रपाषाण युग की शुरुआत हुई। इस दौरान लोगों ने पहली बार धातु (तांबा) का प्रयोग किया। इसलिए इसे पाषाण ताम्र युग के नाम से जाना जाता है। हालाँकि, इस काल में लोग लेखन कला से परिचित नहीं थे और चित्रात्मक लिपि का कोई नमूना भी नहीं मिला है। चित्रात्मक लिपि सिंधु घाटी सभ्यता से संबंधित है। अतः कथन 1 सही नहीं है और कथन 3 सही है।
- ताम्रपाषाणिक लोगों को नवपाषाणकालीन संस्कृति की तुलना में कृषि का बेहतर ज्ञान था और इस प्रकार वे नवपाषाणकालीन संस्कृति की तुलना में कहीं अधिक फसलें उगाते थे। विशेष रूप से, वे पश्चिमी भारत में जौ, गेहूं और मसूर की खेती करते थे, और दक्षिणी और पूर्वी भारत में चावल की खेती करते थे। उनके अनाज के भोजन की पूर्ति मांसाहारी भोजन से होती थी। अतः कथन 2 सही है।

9. उत्तर ए

पहली शताब्दी ईसा पूर्व के मध्य में सातवाहन भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में प्रमुख हो गए। गौतमीपुत्र सातकर्ण (प्रथम शताब्दी ई.) को सातवाहन शासकों में सबसे महान माना जाता है। उन्हें पश्चिमी भारत के शक शासक नहपान को हराकर सातवाहन प्रभुत्व के विस्तार का श्रेय दिया जाता है। सिमुक सातवाहन वंश का संस्थापक था। इसलिए, कथन 3 सही नहीं है।

सातवाहन समाज:

- ऐसा प्रतीत होता है कि सातवाहन मूलतः दक्कन जनजाति थे। हालाँकि वे इतने ब्राह्मणीकृत थे कि वे ब्राह्मण होने का दावा करते थे। उनके सबसे प्रसिद्ध राजा, गौतमीपुत्र सातकर्ण ने खुद को एक ब्राह्मण बताया और दावा किया कि उन्होंने चार वर्ण व्यवस्था की स्थापना की थी, जो अव्यवस्थित हो गई थी। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने विभिन्न सामाजिक व्यवस्था के लोगों के बीच मेलजोल को खत्म कर दिया है। उन्होंने वर्ण व्यवस्था यानी सामाजिक संरचना के चार गुना विभाजन को बनाए रखना अपना प्राथमिक कर्तव्य माना। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- पश्चिमी दक्कन में बसने के लिए भूमि अनुदान से प्रेरित बौद्ध भिक्षुओं द्वारा स्वदेशी जनजातीय लोगों को तेजी से संस्कारित किया गया। यह सुझाव दिया गया है कि व्यापारियों ने भी बौद्ध भिक्षुओं का समर्थन किया था, क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि प्रारंभिक गुफाएँ व्यापार मार्गों पर स्थित थीं।
- सातवाहन राजा भारतीय इतिहास में धार्मिक योग्यता हासिल करने के लिए बौद्धों और ब्राह्मणों को कर-मुक्त भूमि अनुदान देने वाले पहले राजा थे। आने वाले समय में यह प्रथा और अधिक प्रमुख हो गई। अतः, कथन 1 सही है।

10. Answer A

- Many of the Sangam texts, including the didactic ones, were written by the brahmana scholars of Prakrit or Sanskrit. The didactic texts cover the early centuries of the Christian era and prescribe a code of conduct not only for the king and his court but also for the various social groups and occupations.
- These categories could have been possible only after the fourth century when Brahmanas rose in number under the Pallavas. The texts also refer to grants of villages, and also to the descent of kings from the solar and lunar dynasties. Besides the Sangam texts, we have a text called Tolkkappiyam, which deals with grammar and poetics. Hence pair 1 is not correctly matched.
- Another important Tamil text deals with philosophy and wise maxims and is called Tirukkural. Hence pair 2 is not correctly matched.
- The other epic, Manimekalai, was written by a grain merchant of Madurai. It deals with the adventures of the daughter born of the union of Kovalan and Madhavi. Hence pair 3 is correctly matched.

11. Answer B

- This image of the Buddha from Sarnath belonging to the late fifth century CE is housed in the site museum at Sarnath.
 - It has been made in Chunar sandstone.
 - The Buddha is shown seated on a throne in the padmasana. Hence statement 2 is correct.
 - It represents dhammachakrapravartana. Hence statement 1 is correct. The panel below the throne depicts a chakra (wheel) in the center and a deer on either side with his disciples. Thus, it is the representation of the historical event of dhammachakrapravartana or the preaching of the dhamma.
- The face is round, the eyes are half-closed, the lower lip is protruding, and the roundness of the cheeks has reduced as compared to the earlier images from the Kushana Period at Mathura. Hence statement 3 is not correct.

10. उत्तर ए

- उपदेशात्मक समेत संगम के कई ग्रंथ प्राकृत या संस्कृत के ब्राह्मण विद्वानों द्वारा लिखे गए थे। उपदेशात्मक ग्रंथ ईसाई युग की प्रारंभिक शताब्दियों को कवर करते हैं और न केवल राजा और उसके दरबार के लिए बल्कि विभिन्न सामाजिक समूहों और व्यवसायों के लिए भी आचार संहिता निर्धारित करते हैं।
- ये श्रेणियाँ चौथी शताब्दी के बाद ही संभव हो सकीं जब पल्लवों के अधीन ब्राह्मणों की संख्या बढ़ी। ग्रंथों में गांवों के अनुदान और सौर और चंद्र राजवंशों के राजाओं के वंश का भी उल्लेख है। संगम ग्रंथों के अलावा, हमारे पास तोल्ककप्पियम नामक एक ग्रंथ है, जो व्याकरण और काव्यशास्त्र से संबंधित है। इसलिए जोड़ी 1 सही ढंग से सुमेलित नहीं है।
- एक अन्य महत्वपूर्ण तमिल पाठ दर्शन और बुद्धिमान सिद्धांतों से संबंधित है और इसे तिरुक्कुरल कहा जाता है। इसलिए जोड़ी 2 सही ढंग से मेल नहीं खाती है।
- दूसरा महाकाव्य, मणिमेकलाई, मदुरै के एक अनाज व्यापारी द्वारा लिखा गया था। यह कोवलन और माधवी के मिलन से जन्मी बेटी के कारनामों से संबंधित है। अतः जोड़ी 3 सही सुमेलित है।

11. उत्तर बी

- सारनाथ की बुद्ध की यह प्रतिमा पांचवीं शताब्दी के उत्तरार्ध की है, जिसे सारनाथ के संग्रहालय में रखा गया है।
 - इसका निर्माण चुनार के बलुआ पत्थर से किया गया है।
 - बुद्ध को सिंहासन पर पद्मासन में बैठे हुए दिखाया गया है। अतः कथन 2 सही है।
 - यह धम्मचक्रप्रवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है। अतः कथन 1 सही है। सिंहासन के नीचे के पैनल में केंद्र में एक चक्र (पहिया) और दोनों तरफ एक हिरण अपने शिष्यों के साथ दर्शाया गया है। इस प्रकार, यह धम्मचक्रप्रवर्तन या धम्म के उपदेश की ऐतिहासिक घटना का प्रतिनिधित्व है।
- चेहरा गोल है, आंखें आधी बंद हैं, निचला होंठ बाहर निकला हुआ है और गालों की गोलाई मथुरा में कुषाण काल की पिछली छवियों की तुलना में कम हो गई है। अतः कथन 3 सही नहीं है।

12. Answer C

- The captains of the army were invested with the title of enadi at a formal ceremony. However, we have no clear idea about the vaishyas. Civil and military offices were held under both the Cholas and Pandyas by vellalas or rich peasants. Hence statement 1 is correct.
- Agricultural operations were generally the task of members of the lowest class (kadaisiyar), whose status appears to have differed little from that of slaves. Some artisans were not differentiated from agricultural labourers. The pariyars were agricultural labourers who also worked with animal skins and used them as mats. Hence statement 2 is correct.
- Several outcastes and forest tribes suffered from extreme poverty and lived from hand to mouth. We notice sharp social inequalities in the Sangam age. The rich lived in houses of brick and mortar, and the poor in huts and humbler dwellings. Hence statement 3 is correct.

13. Answer C

Basohli:

- The earliest center of painting in the Pahari region was Basohli where under the patronage of Raja Kripal Pal, an artist named Devidasa executed miniatures in the form of the Rasamanjari illustrations in 1694 A.D. Hence statement 1 is correct.

Kangra:

- The Kangra style developed out of the Guler style. It possesses the main characteristics of the latter style, like the delicacy of drawing and the quality of naturalism. Hence statement 2 is correct.

12. उत्तर सी

- एक औपचारिक समारोह में सेना के कप्तानों को एनाडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। हालाँकि, वैश्यों के बारे में हमें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। चोल और पांड्य दोनों के अधीन नागरिक और सैन्य कार्यालय वेल्लाला या अमीर किसानों के पास थे। अतः कथन 1 सही है।
- कृषि कार्य आम तौर पर निम्नतम वर्ग (कदैसियार) के सदस्यों का कार्य था, जिनकी स्थिति दासों से बहुत कम भिन्न प्रतीत होती थी। कुछ कारीगरों को खेतिहर मजदूरों से अलग नहीं किया जाता था। परियार खेतिहर मजदूर थे जो जानवरों की खाल से भी काम करते थे और उन्हें चटाई के रूप में इस्तेमाल करते थे। अतः कथन 2 सही है।
- कई बहिष्कृत जातियाँ और वन जनजातियाँ अत्यधिक गरीबी से पीड़ित थीं और उन्हें गरीबी से जूझना पड़ता था। हम संगम युग में तीव्र सामाजिक असमानताओं को देखते हैं। अमीर ईंट और गारे के घरों में रहते थे, और गरीब झोपड़ियों और साधारण आवासों में रहते थे। अतः कथन 3 सही है।

13. उत्तर सी

बसोहली:

- पहाड़ी क्षेत्र में चित्रकला का सबसे प्रारंभिक केंद्र बसोहली था जहां राजा कृपाल पाल के संरक्षण में देवीदास नामक कलाकार ने 1694 ई. में रसमंजरी चित्रण के रूप में लघुचित्र बनाए। इसलिए कथन 1 सही है।

कांगड़ा:

- कांगड़ा शैली का विकास गुलेर शैली से हुआ। इसमें बाद की शैली की मुख्य विशेषताएं हैं, जैसे ड्राइंग की नाजुकता और प्रकृतिवाद की गुणवत्ता। अतः कथन 2 सही है।

14. Answer C

- The Mauryan empire was founded by Chandragupta Maurya in 321/324 BCE by overthrowing the Nanda dynasty. Chandragupta established control over the northwest but also the Ganga plains, western India and the Deccan. Hence statement 1 is correct.
- The Sudarshana lake belongs to the Mauryan period. The Junagadh inscription (150 CE) of Rudradaman records the beginning of the construction of a water reservoir known as Sudarshana lake in the 4th century BCE during the time of the Maurya emperor Chandragupta, its completion during the reign of Ashoka, and its repair in the 2nd century CE. Hence statement 2 is correct.
- The Mauryan empire declined rapidly after Ashoka. The Mauryan dynasty came to an end with the last kind of Brihadratha being killed by his own military commander Pushyamitra, who then established the Shunga dynasty in c.187 BCE. Hence statement 3 is correct.

15. Answer B

- Statement 1 is not correct: Early Jain Tirthankar images and portraits of kings are found at Mathura. Images of Vaishnava (mainly Vishnu and his various forms) and Shaiva (mainly the lingas and mukhalingas) faiths are also found at Mathura but Buddhist images are found in large numbers. It may be noted that the images of Vishnu and Shiva are represented by their ayudhas (weapons).
- Statement 2 is correct: The Kushans brought together masons and other artisans trained in different schools and countries. Indian craftsmen came in contact with the Greeks and the Romans, especially in the northwest frontier in Gandhara giving rise to the Gandhara school of art which had a strong Greco-Roman influence.
- Statement 3 is correct: The Gandhara art spread to many regions thereby influencing various local schools like Mathura and Sarnath. Mathura school produced many Buddha images but was also famous for the headless erect statue of Kanishka whose name is inscribed on its lower part.

14. उत्तर सी

- मौर्य साम्राज्य की स्थापना चंद्रगुप्त मौर्य ने 321/324 ईसा पूर्व में नंद वंश को उखाड़ कर की थी। चंद्रगुप्त ने उत्तर-पश्चिम के अलावा गंगा के मैदानी इलाकों, पश्चिमी भारत और दक्कन पर भी नियंत्रण स्थापित किया। अतः कथन 1 सही है।
- सुदर्शन झील मौर्य काल की है। रुद्रदामन के जूनागढ़ शिलालेख (150 ई.पू.) में चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त के समय में सुदर्शन झील के नाम से जाने जाने वाले जलाशय के निर्माण की शुरुआत, अशोक के शासनकाल के दौरान इसके पूरा होने और बाद में इसकी मरम्मत का रिकॉर्ड है। दूसरी शताब्दी ई.पू. अतः कथन 2 सही है।
- अशोक के बाद मौर्य साम्राज्य का तेजी से पतन हुआ। मौर्य वंश का अंत बृहद्रथ के अंतिम प्रकार के साथ उसके ही सैन्य कमांडर पुष्यमित्र द्वारा मारे जाने के साथ हुआ, जिसने 187 ईसा पूर्व में शुंग राजवंश की स्थापना की। अतः कथन 3 सही है।

15. उत्तर बी

- कथन 1 सही नहीं है: प्रारंभिक जैन तीर्थंकर प्रतिमाएँ और राजाओं के चित्र मथुरा में पाए जाते हैं। वैष्णव (मुख्य रूप से विष्णु और उनके विभिन्न रूप) और शैव (मुख्य रूप से लिंग और मुखलिंग) संप्रदायों की छवियाँ भी मथुरा में पाई जाती हैं लेकिन बौद्ध छवियाँ बड़ी संख्या में पाई जाती हैं। यह ध्यान दिया जा सकता है कि विष्णु और शिव की छवियाँ उनके आयुधों (हथियारों) द्वारा दर्शायी जाती हैं।
- कथन 2 सही है: कुषाणों ने विभिन्न स्कूलों और देशों में प्रशिक्षित राजमिस्त्री और अन्य कारीगरों को एक साथ लाया। भारतीय शिल्पकार यूनानियों और रोमनों के संपर्क में आए, विशेषकर गांधार के उत्तर-पश्चिमी सीमांत में, जिससे गांधार कला विद्यालय का उदय हुआ, जिस पर ग्रीको-रोमन का गहरा प्रभाव था।
- कथन 3 सही है: गांधार कला कई क्षेत्रों में फैल गई, जिससे मथुरा और सारनाथ जैसे विभिन्न स्थानीय स्कूल प्रभावित हुए। मथुरा स्कूल ने कई बुद्ध प्रतिमाओं का निर्माण किया, लेकिन यह कनिष्क की बिना सिर वाली सीधी प्रतिमा के लिए भी प्रसिद्ध था, जिसका नाम इसके निचले हिस्से पर खुदा हुआ है।

16. Answer B

- Statement 1 is correct: The shape of the main temple tower known as vimana in Tamil Nadu is like a stepped pyramid that rises up geometrically rather than the curving shikhara of North India. In the South Indian temple, the word 'shikhara' is used only for the crowning element at the top of the temple which is usually shaped like a small stupa or an octagonal cupola— this is equivalent to the amlak and kalasha of North Indian temples.
- Statement 2 is not correct: At the entrance to the North Indian temple's garbhagriha, it would be usual to find images such as mithunas and the river goddesses, Ganga and Yamuna, in the south you will generally find sculptures of fierce dvarapalas or the door-keepers guarding the temple. It is common to find a large water reservoir, or a temple tank, enclosed within the complex in the Dravida style temple.
- Statement 3 is correct: At some of the most sacred temples in South India, the main temple in which the garbhagriha is situated has, in fact, one of the smallest towers. This is because it is usually the oldest part of the temple.

17. Answer D

- The shore temple at Mahabalipuram was built later, probably in the reign of Narasimhavarman II, also known as Rajasimha who reigned from 700 to 728 CE. Hence statement 1 is not correct.
- It is oriented to the east-facing ocean, but if you study it closely, you will find that it actually houses three shrines, two to Shiva, one facing east and the other west, and a middle one to Vishnu who is shown as Anantashayana. This is unusual because temples generally have a single main shrine and not three areas of worship. Hence statement 2 is not correct.

16. उत्तर बी

- कथन 1 सही है: तमिलनाडु में विमान के नाम से जाने जाने वाले मुख्य मंदिर के टॉवर का आकार एक सीढ़ीदार पिरामिड जैसा है जो उत्तर भारत के घुमावदार शिखर के बजाय ज्यामितीय रूप से ऊपर उठता है। दक्षिण भारतीय मंदिर में, 'शिखर' शब्द का उपयोग केवल मंदिर के शीर्ष पर मुकुट तत्व के लिए किया जाता है, जिसका आकार आमतौर पर एक छोटे स्तूप या अष्टकोणीय गुंबद जैसा होता है - यह उत्तर भारतीय मंदिरों के अमलक और कलश के बराबर है।
- कथन 2 सही नहीं है: उत्तर भारतीय मंदिर के गर्भगृह के प्रवेश द्वार पर, मिथुन और नदी देवी, गंगा और यमुना जैसी छवियां मिलना आम बात होगी, दक्षिण में आपको आमतौर पर भयंकर द्वारपाल या द्वार की मूर्तियां मिलेंगी- मंदिर की रखवाली करने वाले रखवाले। द्रविड़ शैली के मंदिर में परिसर के भीतर एक बड़ा जलाशय या मंदिर टैंक पाया जाना आम बात है।
- कथन 3 सही है: दक्षिण भारत के कुछ सबसे पवित्र मंदिरों में, मुख्य मंदिर जिसमें गर्भगृह स्थित है, वास्तव में, सबसे छोटे टावरों में से एक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह आमतौर पर मंदिर का सबसे पुराना हिस्सा है।

17. उत्तर डी

- महाबलीपुरम में तटवर्ती मंदिर बाद में बनाया गया था, संभवतः नरसिम्हावर्मन द्वितीय के शासनकाल में, जिन्हें राजसिम्हा के नाम से भी जाना जाता है, जिन्होंने 700 से 728 ईस्वी तक शासन किया था। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- यह पूर्व की ओर मुख वाले महासागर की ओर उन्मुख है, लेकिन यदि आप इसका बारीकी से अध्ययन करते हैं, तो आप पाएंगे कि इसमें वास्तव में तीन मंदिर हैं, दो शिव के, एक पूर्व की ओर और दूसरा पश्चिम की ओर, और बीच वाला विष्णु का, जिन्हें अनंतशयन के रूप में दिखाया गया है। यह असामान्य है क्योंकि मंदिरों में आम तौर पर एक ही मुख्य मंदिर होता है न कि तीन पूजा क्षेत्र। अतः कथन 2 सही नहीं है।

18. Answer D

- The Hunas, who came to India towards the close of the fifth century, eventually came to be recognized as one of the thirty-six clans of the Rajputs. Even now some Rajputs bear the title Hun. The other reason for the increase in the number of castes was the absorption of many tribal people into brahmanical society through the process of land grants. Hence option (d) is the correct answer.

19. Answer C

- The Gupta rulers gave patronage to Bhagvatism. But they were tolerant of other religions too. The Chinese pilgrims Fa Hien and Hsuan Tsang, who came to India during the reign of Chandragupta II and Harsha respectively, clearly give the impression that Buddhism was also flourishing. Hence, statement 2 is not correct.
- According to Hsuan Tsang, the revenues of one hundred villages supported it. Bhagvatism centered on the worship of Vishnu and his incarnations. It emphasized bhakti (loving devotion) and ahimsa (non-killing of animals) rather than Vedic rituals and sacrifices. The new religion was quite liberal and assimilated the lower classes into its fold. Hence, statement 1 is correct.
- It did not believe in any caste or gender bias and admitted both women and Shudras in its ranks. It emphasized 'female' as a source of power and energy. The Tantrik concepts affected Shaivism and Vaishnavism as well as Buddhism and Jainism. It resulted in the introduction of the worship of female deities in these religions. Hence, statement 3 is correct.

RACE IAS General Studies

RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations



18. उत्तर डी

हूण, जो पाँचवीं शताब्दी के अंत में भारत आए, अंततः राजपूतों के छत्तीस कुलों में से एक के रूप में पहचाने जाने लगे। अब भी कुछ राजपूत हूण उपाधि धारण करते हैं। जातियों की संख्या में वृद्धि का दूसरा कारण भूमि अनुदान की प्रक्रिया के माध्यम से कई आदिवासी लोगों का ब्राह्मणवादी समाज में समाहित होना था। अतः विकल्प (डी) सही उत्तर है।

19. उत्तर सी

- गुप्त शासकों ने भागवतवाद को संरक्षण दिया। लेकिन वे अन्य धर्मों के प्रति भी सहिष्णु थे। चीनी तीर्थयात्री फाह्यान और ह्वेनसांग, जो क्रमशः चंद्रगुप्त द्वितीय और हर्ष के शासनकाल के दौरान भारत आए थे, स्पष्ट रूप से यह आभास देते हैं कि बौद्ध धर्म भी फल-फूल रहा था। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- ह्वेन त्सांग के अनुसार, एक सौ गाँवों के राजस्व ने इसका समर्थन किया। भागवतवाद विष्णु और उनके अवतारों की पूजा पर केंद्रित था। इसमें वैदिक अनुष्ठानों और बलिदानों के बजाय भक्ति (प्रेमपूर्ण भक्ति) और अहिंसा (जानवरों की हत्या न करना) पर जोर दिया गया। नया धर्म काफी उदार था और उसने निम्न वर्गों को अपने में समाहित कर लिया। अतः, कथन 1 सही है।
- यह किसी भी जाति या लिंग पूर्वाग्रह में विश्वास नहीं करता था और महिलाओं और शूद्रों दोनों को अपने वर्ग में स्वीकार करता था। इसमें शक्ति और ऊर्जा के स्रोत के रूप में 'महिला' पर जोर दिया गया। तांत्रिक अवधारणाओं ने शैववाद और वैष्णववाद के साथ-साथ बौद्ध धर्म और जैन धर्म को भी प्रभावित किया। इसके परिणामस्वरूप इन धर्मों में महिला देवताओं की पूजा की शुरुआत हुई। अतः, कथन 3 सही है।



20. Answer D

- Statement 1 is not correct: Karaikkal Ammaiyyar was a great devotee of Lord Shiva.
- Statement 2 is correct: Karaikkal Ammaiyyar followed the course of intense asceticism to gain her goal. She is one of the three women saints among the 63 Nayanars and is considered one of the greatest figures of Tamil literature. Her compositions were preserved within the Nayanar tradition.

21. Answer A

- The Rig Vedic society (1500 B.C. to 1000 B.C) was pastoral, cattle rearing being the dominant occupational activity. A pastoral society relies more on its animal wealth than on agricultural produce. Thus, Cattle rearing rather than agriculture was of overwhelming importance during this period. Hence statement 1 is correct.
- The most important divinity in the Rig Veda is Indra, who is called Purandara or destroyer of dwelling units. Indra played the role of a warlord, leading the Aryan soldiers to victory against the demons, and has 250 hymns devoted to him. Hence statement 3 is correct.
- In the post-Rig Vedic times, two other collections, the Yajur Veda Samhita and Atharva Veda Samhita were composed. Hence statement 2 is not correct.

22. Answer C

- Panini was a grammarian who lived in the 5th or 4th century BCE. He composed Ashtadhyayi, which is the oldest surviving Sanskrit grammar. It represents a brilliant intellectual achievement. It sums up the rules of Sanskrit grammar in 3,996 aphorisms (sutras)— short, highly compressed, and condensed statements—combining brevity with clarity and comprehensive coverage. Hence statement 1 is correct.
- Aryabhatta (AD 476-500) and Varahamihra (6th century AD) contributed to the development of mathematics and astronomy in ancient India.
- They were much younger than Panini who belonged to the 5th or 4th century BCE.
- Thus Panin's work was not influenced by Aryabhatta and Varahamihra. Hence statement 2 is not correct.

20. उत्तर डी

- कथन 1 सही नहीं है: कराईक्कल अम्मैयार भगवान शिव के बहुत बड़े भक्त थे।
- कथन 2 सही है: कराईक्कल अम्मैयार ने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गहन तपस्या का मार्ग अपनाया। वह 63 नयनारों में से तीन महिला संतों में से एक हैं और उन्हें तमिल साहित्य की सबसे महान हस्तियों में से एक माना जाता है। उनकी रचनाएँ नयनार परंपरा के भीतर संरक्षित थीं।

21. उत्तर ए

- ऋग्वैदिक समाज (1500 ईसा पूर्व से 1000 ईसा पूर्व) देहाती था, पशुपालन प्रमुख व्यावसायिक गतिविधि थी। एक देहाती समाज कृषि उपज की तुलना में अपने पशु धन पर अधिक निर्भर करता है। इस प्रकार, इस अवधि के दौरान कृषि के बजाय पशुपालन का अत्यधिक महत्व था। अतः कथन 1 सही है।
- ऋग्वेद में सबसे महत्वपूर्ण देवता इंद्र हैं, जिन्हें पुरंदर या निवास इकाइयों का विध्वंसक कहा जाता है। इंद्र ने एक सरदार की भूमिका निभाई, जिसने आर्य सैनिकों को राक्षसों के खिलाफ जीत दिलाई, और उनके लिए 250 भजन समर्पित हैं। अतः कथन 3 सही है।
- ऋग्वैदिक काल के बाद, दो अन्य संग्रह, यजुर्वेद संहिता और अथर्ववेद संहिता की रचना की गई। अतः कथन 2 सही नहीं है।

22. उत्तर सी

- पाणिनि एक व्याकरणविद् थे जो 5वीं या 4वीं शताब्दी ईसा पूर्व में रहते थे। उन्होंने अष्टाध्यायी की रचना की, जो सबसे पुराना जीवित संस्कृत व्याकरण है। यह एक शानदार बौद्धिक उपलब्धि का प्रतिनिधित्व करता है। यह 3,996 सूक्तियों (सूत्रों) में संस्कृत व्याकरण के नियमों को सारांशित करता है - संक्षिप्त, अत्यधिक संपीड़ित और संक्षिप्त कथन - स्पष्टता और व्यापक कवरेज के साथ संक्षिप्तता का संयोजन। अतः कथन 1 सही है।
- आर्यभट्ट (476-500 ई.) और वराहमिह (छठी शताब्दी ई.) ने प्राचीन भारत में गणित और खगोल विज्ञान के विकास में योगदान दिया।
- वे पाणिनि से बहुत छोटे थे जो ईसा पूर्व 5वीं या 4वीं शताब्दी के थे।
- इस प्रकार पैनिन का कार्य आर्यभट्ट और वराहमिहिर से प्रभावित नहीं था। अतः कथन 2 सही नहीं है।

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

23. Answer C

- The Indian stone age is divided into the Palaeolithic, Mesolithic, and Neolithic on the basis of geological age, the type and technology of stone tools, and subsistence base. The Palaeolithic age is further divided into the lower, middle, and upper Palaeolithic.
- Hunting and gathering were the subsistence basis of the Paleolithic age and man had no knowledge of cultivation. The cultivation of crops began during the Neolithic age. Hence statement 1 is correct.
- In 9000 BC began an intermediate stage in Stone-age culture, which is called the Mesolithic age. It intervened as a transitional phase between the Paleolithic and Neolithic age.
- The people of this age lived on hunting, fishing and food gathering initially but later on they also domesticated animals and cultivated plants, thereby paving the way for agriculture. Hence statement 2 is not correct.

24. Answer D

- Samudragupta (AD 335–80): The Gupta kingdom was enlarged enormously by Chandragupta's son and successor Samudragupta (AD 335–80). He was the opposite of Ashoka. Ashoka believed in a policy of peace and non-aggression, but Samudragupta delighted in violence and conquest. Hence statement 1 is not correct.
- Chandragupta II (AD 380–412): The reign of Chandragupta II saw the high watermark of the Gupta empire. He extended the limits of the empire by marriage, alliance and conquest. Chandragupta married his daughter Prabhavati to a Vakataka prince of the brahmana caste and ruled in central India. The prince died and was succeeded by his young son. Prabhavati thus became the virtual ruler.
- However, the epigraphic eulogy seems to be exaggerated. Chandragupta II adopted the title of Vikramaditya, which had been first used by a Ujjain ruler in 58–57 BC as a mark of victory over the Shaka Kshatrapas of western India. This Ujjain ruler is traditionally called Shakari or the enemy of the Shakas. The Vikrama samvat or era was started in 58–57 BC by Shakari. Hence statement 2 is not correct.

23. उत्तर सी

- भारतीय पाषाण युग को भूवैज्ञानिक युग, पत्थर के औजारों के प्रकार और प्रौद्योगिकी तथा निर्वाह आधार के आधार पर पुरापाषाण, मध्य पाषाण और नव पाषाण काल में विभाजित किया गया है। पुरापाषाण युग को निम्न, मध्य और उच्च पुरापाषाण काल में विभाजित किया गया है।
- शिकार और संग्रहण पुरापाषाण युग का निर्वाह आधार था और मनुष्य को खेती का कोई ज्ञान नहीं था। फसलों की खेती नवपाषाण युग के दौरान शुरू हुई। अतः कथन 1 सही है।
- 9000 ईसा पूर्व में पाषाण युग की संस्कृति में एक मध्यवर्ती चरण शुरू हुआ, जिसे मेसोलिथिक युग कहा जाता है। इसने पुरापाषाण और नवपाषाण युग के बीच एक संक्रमणकालीन चरण के रूप में हस्तक्षेप किया।
- इस युग के लोग शुरू में शिकार, मछली पकड़ने और भोजन इकट्ठा करने पर निर्भर थे, लेकिन बाद में उन्होंने जानवरों को पालतू बनाया और पौधों की खेती की, जिससे कृषि का मार्ग प्रशस्त हुआ। अतः कथन 2 सही नहीं है।

24. उत्तर डी

- समुद्रगुप्त (335-80 ई.): चंद्रगुप्त के पुत्र और उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त (335-80 ई.) द्वारा गुप्त साम्राज्य का अत्यधिक विस्तार किया गया। वह अशोक के विपरीत थे। अशोक शांति और गैर-आक्रामकता की नीति में विश्वास करता था, लेकिन समुद्रगुप्त हिंसा और विजय में प्रसन्न था। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- चंद्रगुप्त द्वितीय (380-412 ई.): चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में गुप्त साम्राज्य का उच्च स्तर देखा गया। उसने विवाह, गठबंधन और विजय द्वारा साम्राज्य की सीमाओं का विस्तार किया। चंद्रगुप्त ने अपनी बेटी प्रभावती का विवाह ब्राह्मण जाति के वाकाटक राजकुमार से किया और मध्य भारत में शासन किया। राजकुमार की मृत्यु हो गई और उसका छोटा बेटा उसका उत्तराधिकारी बना। इस प्रकार प्रभावती आभासी शासक बन गयी।
- हालाँकि, अभिलेखीय स्तुति अतिरंजित प्रतीत होती है। चंद्रगुप्त द्वितीय ने विक्रमादित्य की उपाधि धारण की, जिसका प्रयोग पहली बार 58-57 ईसा पूर्व में पश्चिमी भारत के शक क्षत्रपों पर विजय के प्रतीक के रूप में एक उज्जैन शासक द्वारा किया गया था। इस उज्जैन शासक को पारंपरिक रूप से शकरी या शकों का शत्रु कहा जाता है। विक्रम संवत् या युग की शुरुआत 58-57 ईसा पूर्व में शकरी द्वारा की गई थी। अतः कथन 2 सही नहीं है।

25. Answer D

- The Indus Valley people were aware of gold and gold ornaments have been discovered at the Indus Valley sites. It is believed that the gold was procured from the south.

26. Answer C

- The caves of Bhimbetka were discovered in 1957–58 by eminent archaeologist V. S. Wakankar and later on, many more were discovered. Hence statement 1 is correct.
- The largest number of Bhimbetka paintings belong to Period II which covers the Mesolithic paintings.
- During this period the themes are multiple but the paintings are smaller in size compared to Upper Palaeolithic paintings. Hence statement 2 is correct.
- Though animals were painted in a naturalistic style, humans were depicted only in a stylistic manner. Hence statement 3 is correct.

27. Answer C

- The Mauryan state also provided irrigation facilities and regulated water supply for the benefit of agriculturists. Megasthenes informs us that in the Maurya Empire the officer measured the land as in Egypt and inspected the channels through which water was distributed into smaller channels. Hence statement 1 is correct.
- For the first time in the Maurya period slaves were engaged in agricultural work on a large scale.
- The state maintained farms, on which numerous slaves and hired labourers were employed. Hence statement 2 is correct.
- In order to bring the virgin soil under cultivation, the new peasants were allowed remission in tax and supplied with cattle, seeds and money. The state followed this policy in the hope that it would get back what it had given. Hence statement 3 is correct.

25. उत्तर डी

सिंधु घाटी के लोग सोने के बारे में जानते थे और सिंधु घाटी स्थलों पर सोने के आभूषणों की खोज की गई है। ऐसा माना जाता है कि सोना दक्षिण से लाया गया था।

26. उत्तर सी

- भीमबेटका की गुफाओं की खोज 1957-58 में प्रख्यात पुरातत्वविद् वी.एस. वाकणकर ने की थी और बाद में और भी कई गुफाएँ खोजी गईं। अतः कथन 1 सही है।
- भीमबेटका चित्रों की सबसे बड़ी संख्या द्वितीय काल की है जिसमें मध्यपाषाण काल की पेंटिंग शामिल हैं।
- इस अवधि के दौरान विषय अनेक थे लेकिन चित्र ऊपरी पुरापाषाणकालीन चित्रों की तुलना में आकार में छोटे थे। अतः कथन 2 सही है।
- हालाँकि जानवरों को प्राकृतिक शैली में चित्रित किया गया था, मनुष्यों को केवल शैलीगत तरीके से चित्रित किया गया था। अतः कथन 3 सही है।

27. उत्तर सी

- मौर्य राज्य ने कृषकों के लाभ के लिए सिंचाई सुविधाएँ और विनियमित जल आपूर्ति भी प्रदान की। मेगस्थनीज ने हमें सूचित किया कि मौर्य साम्राज्य में अधिकारी ने मिस्र की तरह भूमि को मापा और उन चैनलों का निरीक्षण किया जिनके माध्यम से पानी को छोटे चैनलों में वितरित किया जाता था। अतः कथन 1 सही है।
- मौर्य काल में पहली बार दासों को बड़े पैमाने पर कृषि कार्य में लगाया गया।
- राज्य ने खेतों का रखरखाव किया, जिन पर कई दास और किराए के मजदूर कार्यरत थे। अतः कथन 2 सही है।
- कुंवारी मिट्टी को खेती के अधीन लाने के लिए, नए किसानों को कर में छूट दी गई और मवेशी, बीज और धन की आपूर्ति की गई। राज्य ने इस नीति का अनुसरण इस आशा से किया कि उसने जो दिया है वह उसे वापस मिल जायेगा। अतः कथन 3 सही है।

28. Answer C

- For the first time civil and criminal law were clearly defined and demarcated. Theft and adultery came under criminal law. Disputes regarding various types of property came under civil law. Elaborate laws were laid down about inheritance. Hence statement 1 is correct.
- During this period also many laws continued to be based on differences in varnas. It was the duty of the king to uphold the law. The king tried cases with the help of brahmana priests. Hence statement 2 is correct.
- The guilds of artisans, merchants and others were governed by their own laws, Seals from Vaishali and from Bhita near Allahabad indicate that these guilds flourished exceedingly well in Gupta times. Hence statement 3 is correct.

29. Answer B

- However, the king did not exercise unlimited power, for he had to reckon with the tribal organizations. Although his post was hereditary, we have also some traces of election by the tribal assembly called the samiti. The king was called the protector of his tribe. He protected its cattle, fought its wars and offered prayers to gods on its behalf. Hence statement 1 is correct.
- Even women attended the samiti and vidatha in Rig Vedic times, But the two most important assemblies from the political point of view seem to have been the sabha and the samiti. These two were so important that the kings showed eagerness to win their support. Hence statement 2 is not correct.
- The Rig Veda does not mention any officer for administering justice. But it was not an ideal society. There were cases of theft and burglary, and especially we hear of the theft of cows. Spies were employed to keep an eye on such unsocial activities. Hence statement 3 is correct.

28. उत्तर सी

- पहली बार नागरिक और आपराधिक कानून को स्पष्ट रूप से परिभाषित और सीमांकित किया गया। चोरी और व्यभिचार आपराधिक कानून के अंतर्गत आते थे। विभिन्न प्रकार की संपत्ति से संबंधित विवाद नागरिक कानून के अंतर्गत आते थे। विरासत के बारे में विस्तृत कानून बनाए गए। अतः कथन 1 सही है।
- इस काल में भी कई कानून वर्ण भेद पर आधारित होते रहे। कानून का पालन करना राजा का कर्तव्य था। राजा ने ब्राह्मण पुजारियों की मदद से मामलों की सुनवाई की। अतः कथन 2 सही है।
- कारीगरों, व्यापारियों और अन्य लोगों के संघ अपने स्वयं के कानूनों द्वारा शासित होते थे, वैशाली और इलाहाबाद के पास भीटा से प्राप्त मुहरों से संकेत मिलता है कि ये संघ गुप्त काल में बहुत अच्छी तरह से विकसित हुए थे। इसलिए कथन 3 सही है।

29. उत्तर बी

- हालाँकि, राजा ने असीमित शक्ति का प्रयोग नहीं किया, क्योंकि उसे आदिवासी संगठनों के साथ समझौता करना था। हालाँकि उनका पद वंशानुगत था, हमारे पास आदिवासी सभा, जिसे समिति कहा जाता है, द्वारा चुनाव के कुछ निशान भी हैं। राजा को अपने कबीले का रक्षक कहा जाता था। उसने उसके मवेशियों की रक्षा की, उसके युद्ध लड़े और उसकी ओर से देवताओं से प्रार्थना की। अतः कथन 1 सही है।
- ऋग्वैदिक काल में महिलाएं भी समिति और विदथ में भाग लेती थीं, लेकिन राजनीतिक दृष्टिकोण से दो सबसे महत्वपूर्ण सभाएं सभा और समिति रही हैं। ये दोनों इतने महत्वपूर्ण थे कि राजा इनका समर्थन प्राप्त करने के लिए उत्सुकता दिखाते थे। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- ऋग्वेद में न्याय प्रदान करने वाले किसी अधिकारी का उल्लेख नहीं है। लेकिन यह कोई आदर्श समाज नहीं था। चोरी और डकैती के मामले थे, और विशेष रूप से हम गायों की चोरी के बारे में सुनते हैं। ऐसी असामाजिक गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जासूसों को नियुक्त किया गया। अतः कथन 3 सही है।

30. Answer A

- The Vijayanagara Empire was a South Indian empire that ruled from the 14th to the 17th century, based in the city of Vijayanagara (now Hampi, Karnataka). The Vijayanagara Empire was founded in 1336 and was attributed to the Sangama dynasty siblings Harihara I and Bukka Raya I, who hailed from a cowherd community with a Yadava lineage. Hence statement 1 is correct.
- The Vijayanagara Empire, held dominion over a vast area in South India, encompassing present-day Karnataka, Andhra Pradesh, Tamil Nadu, Kerala, Goa, and portions of Telangana and Maharashtra. Hence statement 2 is not correct.
- The rising power Vijayanagar empire brought it into a clash with many powers both in the south and to the north. In the south, its main rivals were the sultans of Madurai. The struggle between the sultan and Madurai lasted for about four decades. By 1377, the sultana of Madurai had been wiped out. Hence statement 3 is not correct.

31. Answer B

- The Pala dynasty was a powerful Indian dynasty that ruled parts of eastern India from the 8th to the 12th century CE. The Pala empire was founded by Gopala, probably in 750 AD. He was succeeded in 770 by his son Dharmapala who ruled till 810. He was defeated by the Rashtrakuta ruler, Dhruva. Hence Statement 1 is not correct.
- The Pala rulers were great patrons of Buddhist learning and religion. Dharmapala revived Nalanda University and founded the Vikramshila University which became second only to Nalanda in fame. Hence statement 2 is correct.
- A conflict between Dharmapala and Vatsaraja, the Pratihara king, arose as a consequence of the Kannauj dispute. Later, Dharmapala recaptured Kannauj and installed his vassal Chakrayudha as the ruler. Hence statement 3 is correct.

30. उत्तर ए

- विजयनगर साम्राज्य एक दक्षिण भारतीय साम्राज्य था जिसने विजयनगर (अब हम्पी, कर्नाटक) शहर में स्थित 14वीं से 17वीं शताब्दी तक शासन किया था। विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 में हुई थी और इसका श्रेय संगम वंश के भाई-बहनों हरिहर प्रथम और बुक्का राय प्रथम को दिया गया, जो यादव वंश के चरवाहे समुदाय से थे। अतः कथन 1 सही है।
- विजयनगर साम्राज्य का दक्षिण भारत के एक विशाल क्षेत्र पर प्रभुत्व था, जिसमें वर्तमान कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, गोवा और तेलंगाना और महाराष्ट्र के कुछ हिस्से शामिल थे। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।
- बढ़ती शक्ति विजयनगर साम्राज्य ने इसे दक्षिण और उत्तर दोनों में कई शक्तियों के साथ संघर्ष में ला दिया। दक्षिण में इसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी मदुरै के सुल्तान थे। सुल्तान और मदुरै के बीच संघर्ष लगभग चार दशकों तक चला। 1377 तक, मदुरै के सुल्तान का सफाया हो चुका था। अतः कथन 3 सही नहीं है।

31. उत्तर B

- पाल राजवंश एक शक्तिशाली भारतीय राजवंश था जिसने 8वीं से 12वीं शताब्दी तक पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों पर शासन किया था। पाल साम्राज्य की स्थापना गोपाल ने संभवतः 750 ई. में की थी। 770 में उनके पुत्र धर्मपाल ने उनका उत्तराधिकारी बनाया, जिन्होंने 810 तक शासन किया। उन्हें राष्ट्रकूट शासक ध्रुव ने हराया था। इसलिए कथन 1 सही नहीं है।
- पाल शासक बौद्ध शिक्षा और धर्म के महान संरक्षक थे। धर्मपाल ने नालन्दा विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित किया और विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की जो प्रसिद्धि में नालन्दा के बाद दूसरे स्थान पर रहा। अतः कथन 2 सही है।
- कन्नौज विवाद के परिणामस्वरूप प्रतिहार राजा धर्मपाल और वत्सराज के बीच संघर्ष उत्पन्न हुआ। बाद में, धर्मपाल ने कन्नौज पर पुनः कब्जा कर लिया और अपने जागीरदार चक्रायुध को शासक के रूप में स्थापित किया। अतः कथन 3 सही है।

32. Answer B

- Statement 1 is Incorrect - Kanishka was an ardent follower of Buddhism and hosted the fourth Buddhist mahasangha or council. Mahayana Buddhism had become the dominant sect, and Kanishka supported the missions sent to China to preach Buddhism.
- Statement 2 is Correct - Kanishka was the patron of Buddhist philosophers such as Asvaghosha and Nagarjuna. Asvaghosha is known for his Buddhacharita and is celebrated as the author of the first Sanskrit play, Sariputra Prakarana.
- Statement 3 is Incorrect - The deification of Buddha by Mahasanghikas fostered Mahayana Buddhism. The Buddha came to be worshipped with flowers, garments, perfumes and lamps. Thus image worship and rituals developed in Mahayana Buddhism.

33. Answer B

- Statement 1 is correct - The administrative structure of the Mauryan empire was much more centralized than the Gupta empire. In the Gupta period, administration of villages was bestowed with local leaders, and the rulers never intervened with such administration. Gupta had organised a system of provincial and local administration. The rise of feudatories was among the reasons for the fall of the Gupta empire.
- Statement 2 is Incorrect - The position of shudras improved in the Gupta period as compared to Mauryan period. They were now permitted to listen to the Ramayana, Mahabharata and the Puranas. They could also worship a new god called Krishna. They were represented as agriculturists in Gupta period from the role of servants, slaves in Mauryan period.
- Statement 3 is correct - Compared to the earlier period external trade declined during the Gupta period. It increased with China whereas it declined with Rome. Around A.D. 550 the people of eastern Roman empire learnt the art of growing silk from Chinese which adversely affected Indian exports. Tamralipti, also known as Tamlik was an important port in Bengal which carried out a trade with China.

32. उत्तर B

- कथन 1 गलत है - कनिष्क बौद्ध धर्म का प्रबल अनुयायी था और उसने चौथे बौद्ध महासंघ या परिषद की मेजबानी की थी। महायान बौद्ध धर्म प्रमुख संप्रदाय बन गया था और कनिष्क ने बौद्ध धर्म का प्रचार करने के लिए चीन भेजे गए मिशनो का समर्थन किया था।
- कथन 2 सही है - कनिष्क अश्वघोष और नागार्जुन जैसे बौद्ध दार्शनिकों का संरक्षक था। अश्वघोष को उनके बुद्धचरित्र के लिए जाना जाता है और उन्हें पहले संस्कृत नाटक, सारिपुत्र प्रकरण के लेखक के रूप में जाना जाता है।
- कथन 3 गलत है - महासंघिकों द्वारा बुद्ध को देव मानने से महायान बौद्ध धर्म को बढ़ावा मिला। बुद्ध की पूजा फूलों, वस्त्रों, इत्रों और दीपों से की जाने लगी। इस प्रकार महायान बौद्ध धर्म में छवि पूजा और अनुष्ठान विकसित हुए।

33. उत्तर बी

- कथन 1 सही है - मौर्य साम्राज्य की प्रशासनिक संरचना गुप्त साम्राज्य की तुलना में कहीं अधिक केंद्रीकृत थी। गुप्त काल में, गाँवों का प्रशासन स्थानीय नेताओं को सौंपा गया था, और शासकों ने ऐसे प्रशासन में कभी हस्तक्षेप नहीं किया। गुप्ता ने प्रांतीय और स्थानीय प्रशासन की एक प्रणाली का आयोजन किया था। गुप्त साम्राज्य के पतन के कारणों में सामंतों का उदय भी था।
- कथन 2 गलत है - मौर्य काल की तुलना में गुप्त काल में शूद्रों की स्थिति में सुधार हुआ। अब उन्हें रामायण, महाभारत और पुराण सुनने की अनुमति मिल गई। वे कृष्ण नामक एक नए देवता की भी पूजा कर सकते थे। मौर्य काल में नौकरों, दासों की भूमिका से लेकर गुप्त काल में कृषकों के रूप में उनका प्रतिनिधित्व किया गया था।
- कथन 3 सही है - पहले की अवधि की तुलना में गुप्त काल के दौरान बाहरी व्यापार में गिरावट आई। चीन के साथ इसमें वृद्धि हुई जबकि रोम के साथ इसमें गिरावट आई। 550 ई. के आसपास पूर्वी रोमन साम्राज्य के लोगों ने चीनी से रेशम उगाने की कला सीखी जिससे भारतीय निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। ताम्रलिप्ति, जिसे ताम्रलिक के नाम से भी जाना जाता है, बंगाल का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह था जो चीन के साथ व्यापार करता था।

34. Answer A

- Statement 1 is Incorrect - Chandragupta Maurya was the founder of the Mauryan Empire. He captured Pataliputra from Dhanananda, last ruler of the Nanda dynasty. He was assisted by Kautilya/Chanakya/Vishnugupta.
- Statement 2 is Correct - Bindusara supported the Ajivikas sect. They are an ascetic sect that emerged in India about the same time as Buddhism and Jainism. Its most important leader was Makkhali Goshala. The main philosophy of Ajivikas is that absolutely everything is predetermined by fate, or niyati, and therefore, human action has no consequences.
- Statement 3 is Correct - Bindusara had cordial relations with the Syrian king Antiochus I. He also received Deimachus as ambassador from him.
- Statement 4 is Incorrect - Chandragupta Maurya defeated Selukus Niketar. Selukus Nikator ceded some trans-Indus territories to the Mauryan Empire and Megasthenes was sent to the Mauryan court as Greek ambassador.

35. Answer B

- Statement 1 is Incorrect- Ashoka's policy of Dhamma was a broad concept. It was a way of life, a code of conduct and a set of principles to be adopted by the people. Some ideas of Ashoka's Dhamma are similar to the teachings of buddhism like non-violence etc but both of them are quite different from each other. The concept of non-violence and other similar ideas of Asoka's Dhamma are identical with the teachings of Buddha. But he did not equate Dhamma with Buddhist teachings. Buddhism remained his personal belief. His Dhamma signifies a general code of conduct.
- Statement 2 is Correct- Among many principles of Dhamma, Tolerance among all religious sects is one of the important principles of Dhamma.
- Statement 3 is Correct- He appointed officials known as Dhamma Mahamatta who went from place to place teaching people about his dhamma. Ashoka also got his messages inscribed on rocks and pillars, instructing his officials to read his message to those who could not read it themselves. Ashoka also sent messengers to spread ideas about dhamma to other lands, such as Syria, Egypt, Greece and Sri Lanka.

34. उत्तर ए

- कथन 1 गलत है - चंद्रगुप्त मौर्य मौर्य साम्राज्य के संस्थापक थे। उसने नंद वंश के अंतिम शासक धनानंद से पाटलिपुत्र पर कब्जा कर लिया। उनकी सहायता कौटिल्य/चाणक्य/विष्णुगुप्त ने की थी।
- कथन 2 सही है - बिन्दुसार ने आजीवक संप्रदाय का समर्थन किया। वे एक तपस्वी संप्रदाय हैं जो भारत में बौद्ध धर्म और जैन धर्म के लगभग उसी समय उभरा। इसका सबसे महत्वपूर्ण नेता मक्खलि गौशाला था। आजीवकों का मुख्य दर्शन यह है कि पूरी तरह से सब कुछ भाग्य या नियति द्वारा पूर्व निर्धारित है, और इसलिए, मानव कार्रवाई का कोई परिणाम नहीं होता है।
- कथन 3 सही है - बिंदुसार के सीरियाई राजा एंटिओकस प्रथम के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध थे। उन्होंने डाइमाचस को उनसे राजदूत के रूप में भी प्राप्त किया।
- कथन 4 गलत है - चंद्रगुप्त मौर्य ने सेलुकास निकेतर को हराया। सेलुकास निकेटर ने कुछ पार-सिंधु क्षेत्र मौर्य साम्राज्य को सौंप दिए और मेगास्थनीज को यूनानी राजदूत के रूप में मौर्य दरबार में भेजा गया।

35. उत्तर बी

- कथन 1 गलत है- अशोक की धम्म नीति एक व्यापक अवधारणा थी। यह जीवन जीने का एक तरीका, एक आचार संहिता और लोगों द्वारा अपनाए जाने वाले सिद्धांतों का एक समूह था। अशोक के धम्म के कुछ विचार बौद्ध धर्म की शिक्षाओं जैसे अहिंसा आदि के समान हैं लेकिन ये दोनों एक दूसरे से काफी अलग हैं। अहिंसा की अवधारणा और अशोक के धम्म के अन्य समान विचार बुद्ध की शिक्षाओं के समान हैं। लेकिन उन्होंने धम्म की तुलना बौद्ध शिक्षाओं से नहीं की। बौद्ध धर्म उनकी निजी आस्था बनी रही। उनका धम्म एक सामान्य आचार संहिता का प्रतीक है।
- कथन 2 सही है- धम्म के कई सिद्धांतों में से, सभी धार्मिक संप्रदायों के बीच सहिष्णुता धम्म के महत्वपूर्ण सिद्धांतों में से एक है।
- कथन 3 सही है- उन्होंने धम्म महामत्ता के नाम से जाने जाने वाले अधिकारियों को नियुक्त किया जो जगह-जगह जाकर लोगों को उनके धम्म के बारे में पढ़ाते थे। अशोक ने अपने संदेशों को चट्टानों और स्तंभों पर भी अंकित करवाया, अपने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उनके संदेश को उन लोगों को पढ़कर सुनाएँ जो इसे स्वयं नहीं पढ़ सकते। अशोक ने धम्म के बारे में विचारों को सीरिया, मिस्र, ग्रीस और श्रीलंका जैसे अन्य देशों में फैलाने के लिए दूत भी भेजे।

36. Answer C

- Statement 1 is Correct - the Mauryan period saw an emergence of rock cut architecture. These caves were used by many monks as Viharas- living quarters. These Caves were marked by decorative gateways and highly polished interior walls.
- Statement 2 is Correct - Wood was the principal building material. Example-The Mauryan capital at Pataliputra, Ashoka's palace at Kumrahar, Chandragupta Maurya's palace. Gradually however, there was a transition from wood to stone,
- Statement 3 is Correct - Pottery of the Mauryan Period is referred to as the Northern Black Polished Ware. They have a highly lustrous finish and are painted black. These represent the highest level of pottery. The centers of NBPW pottery were Kosambi and Patliputra.

37. Answer C

Both the statements are incorrect:

- Despite the challenge posed by Buddhism and Jainism, the varna system continued to exist and Brahmanas and Kshatriyas dominated the social hierarchy. There was improvement in the social status of Vaishyas or trading communities and Shudras. Now Shudras could be involved in the agricultural and artisanal activities. Surprisingly however, there is no mention of either Varna or Sati in the Ashokan edicts.
- Even though Megasthenes lauds the Indian society for not having any slaves, yet ironically, the fact is that slavery existed in India at that time. This is borne out by the Arthashastra which says that "no Arya or freeman could be reduced to slavery". Reference to dasas (the slaves) in Ashokan inscriptions also bear testimony to the existence of the institution of slavery in Mauryan India. Ashokan edicts, while discussing dhamma, demand courteous behaviour towards dasas and bhatakas/bhritakas (servants).

36. उत्तर सी

- कथन 1 सही है - मौर्य काल में रॉक कट वास्तुकला का उदय हुआ। इन गुफाओं का उपयोग कई भिक्षुओं द्वारा विहार-रहने के क्वार्टर के रूप में किया जाता था। इन गुफाओं को सजावटी प्रवेश द्वारों और अत्यधिक पॉलिश की गई आंतरिक दीवारों द्वारा चिह्नित किया गया था।
- कथन 2 सही है - लकड़ी प्रमुख निर्माण सामग्री थी। उदाहरण-पाटलिपुत्र में मौर्य राजधानी, कुम्रहार में अशोक का महल, चंद्रगुप्त मौर्य का महल। हालाँकि, धीरे-धीरे लकड़ी से पत्थर में संक्रमण हुआ,
- कथन 3 सही है - मौर्य काल के मिट्टी के बर्तनों को उत्तरी काले पॉलिश वाले बर्तन कहा जाता है। उनकी फिनिश अत्यधिक चमकदार है और उन्हें काले रंग से रंगा गया है। ये मिट्टी के बर्तनों के उच्चतम स्तर का प्रतिनिधित्व करते हैं। एनबीपीडब्ल्यू मिट्टी के बर्तनों के केंद्र कोसंबी और पाटलिपुत्र थे।

37. उत्तर सी

दोनों कथन गलत हैं:

- बौद्ध धर्म और जैन धर्म द्वारा प्रस्तुत चुनौती के बावजूद, वर्ण व्यवस्था अस्तित्व में रही और ब्राह्मण और क्षत्रिय सामाजिक पदानुक्रम पर हावी रहे। वैश्यों या व्यापारिक समुदायों और शूद्रों की सामाजिक स्थिति में सुधार हुआ। अब शूद्र कृषि और कारीगर गतिविधियों में शामिल हो सकते थे। हालाँकि, आश्चर्य की बात यह है कि अशोक के शिलालेखों में वर्ण या सती का कोई उल्लेख नहीं है।
- यद्यपि मेगस्थनीज ने भारतीय समाज की इस बात के लिए सराहना की कि उसके पास कोई गुलाम नहीं था, परंतु विडंबना यह है कि उस समय भी भारत में दास प्रथा अस्तित्व में थी। यह अर्थशास्त्र द्वारा प्रमाणित है जो कहता है कि "किसी भी आर्य या स्वतंत्र व्यक्ति को गुलामी में नहीं डाला जा सकता"। अशोक के शिलालेखों में दासों (दासों) का उल्लेख भी मौर्यकालीन भारत में गुलामी की संस्था के अस्तित्व की गवाही देता है। अशोक के शिलालेख, धम्म पर चर्चा करते समय, दासों और भट्टकों/भूतकों (नौकरों) के प्रति विनम्र व्यवहार की मांग करते हैं।

38. Answer D

- Statement 1 is incorrect: The Mauryan Empire was divided into four provinces with their capitals at Taxila, Ujjain, Suvarnagiri and Kalinga. The provincial governors were mostly appointed from the members of the royal family. They were responsible for the maintenance of law and order and collection of taxes for the empire.
- Statement 2 is correct : According to the account of a Roman Writer Pliny, Chandragupta Maurya maintained 600,000 foot soldiers and 30,000 cavalry. In order to meet the expenses of such a huge army, the state controlled almost all the economic activities in the realm. The state brought new virgin land under cultivation which yielded handsome income to the state in the form of revenue collected from the newly settled peasants.

39. Answer C

- Statement 1 is Correct - The Brahmins were given high status in the society. They were bestowed with plenty of gifts by the rulers. Meanwhile, the practice of untouchability slowly started during this period. Fahien elaborated that Chandalas were segregated from the society and their condition was miserable. The untouchables including chandals lived away from the other groups. They were assigned the lowest status in the Indian society.
- Statement 2 is Correct - Brahmanism gained a lot of popularity during the Gupta period and as a result Buddhism and Jainism received very less royal patronage than the earlier times. Fahien also mentions the decline of Buddhism. However, a few Buddhist scholars like Vasubandhu were supported by Gupta kings. In western and southern India Jainism flourished. The great Jain Council was held at Valabhi during this period and the Jain Canon of the Svetambras was written.
- Statement 3 is Correct - Women were prohibited from studying the religious texts like the Puranas. The practice of Swyamvara was no longer practiced. The Manusmriti suggested early marriage for the girls. So, it can be concluded that the position of women had become miserable during the Gupta period.

38. उत्तर D

- कथन 1 गलत है: मौर्य साम्राज्य तक्षशिला, उज्जैन, सुवर्णगिरि और कलिंग में अपनी राजधानियों के साथ चार प्रांतों में विभाजित था। प्रांतीय गवर्नर अधिकतर शाही परिवार के सदस्यों में से नियुक्त किये जाते थे। वे साम्राज्य के लिए कानून और व्यवस्था बनाए रखने और करों के संग्रह के लिए जिम्मेदार थे।
- कथन 2 सही है: रोमन लेखक प्लिनी के विवरण के अनुसार, चंद्रगुप्त मौर्य के पास 600,000 पैदल सैनिक और 30,000 घुड़सवार सेना थी। इतनी विशाल सेना के खर्चों को पूरा करने के लिए राज्य ने क्षेत्र की लगभग सभी आर्थिक गतिविधियों को नियंत्रित किया। राज्य नई अछूती भूमि को खेती के लिए लाया जिससे राज्य को नए बसे किसानों से एकत्र राजस्व के रूप में अच्छी आय प्राप्त हुई।

39. उत्तर C

- कथन 1 सही है - ब्राह्मणों को समाज में उच्च दर्जा दिया गया था। शासकों द्वारा उन्हें भरपूर उपहार दिये गये। इसी बीच इस काल में धीरे-धीरे छुआछूत की प्रथा शुरू हो गई। फाहियान ने विस्तार से बताया कि चांडाल समाज से अलग-थलग थे और उनकी स्थिति दयनीय थी। चांडाल सहित अछूत अन्य समूहों से दूर रहते थे, उन्हें भारतीय समाज में सबसे निचला दर्जा दिया गया था।
- कथन 2 सही है - गुप्त काल के दौरान ब्राह्मणवाद को बहुत लोकप्रियता मिली और परिणामस्वरूप बौद्ध धर्म और जैन धर्म को पहले की तुलना में बहुत कम शाही संरक्षण मिला। फाहियान ने बौद्ध धर्म के पतन का भी उल्लेख किया है। हालाँकि, वसुबंधु जैसे कुछ बौद्ध विद्वानों को गुप्त राजाओं का समर्थन प्राप्त था। पश्चिमी और दक्षिणी भारत में जैन धर्म का विकास हुआ। इस अवधि के दौरान वल्लभी में महान जैन परिषद आयोजित की गई थी और श्वेतांबरों का जैन सिद्धांत लिखा गया था।
- कथन 3 सही है - महिलाओं को पुराण जैसे धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करने से प्रतिबंधित किया गया था। स्वयंवर की प्रथा अब प्रचलित नहीं थी। मनुस्मृति में लड़कियों के लिए शीघ्र विवाह का सुझाव दिया गया है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि गुप्त काल में महिलाओं की स्थिति दयनीय हो गई थी।

40. Answer B

- Statement 1 is Correct - The inscriptions of Nanaghad inscriptions mentions the Satavahanas especially about Gautamiputra Satakarni. The Naneghat inscription suggests that Satakarni performed two horse sacrifices (Aswamedha), to proclaim his sovereignty.
- Statement 2 is Incorrect - Satavahanas patronized both Buddhism and Brahmanism. They built chaityas and viharas. They also made grants of villages and lands to Buddhist monks. The Karle inscription mentions that Satakarni donated lands to the Buddhist monks. Also, Vashishtaputra Pulamayi had got the old Amaravathi stupa repaired.
- Statement 3 is Incorrect - The trade and commerce prospered during the Satavahana rule. Guilds were organized by the merchants to increase their activities. The Satavahana period also witnessed overseas commercial activity.

41. Answer D

- Statement 1 is incorrect: The Harappan civilization is known to have shown earliest evidence of silver. The Harappans greatly specialized in the making of beads and made jewellery of gold, silver, carnelian, and other precious stones.
- Statement 2 is incorrect: The trade during the Harappan times was largely based on the barter system as there was no metallic money in use. The trade was both internal as well as external. Inland transportation was also used to facilitate trade.
- Statement 3 is incorrect: A large-scale use of burnt bricks was used in the buildings by the Harappan people. However, their knowledge for the use of burnt bricks was not obtained from the Egyptian civilization as the buildings there were mainly made of dried bricks.

40. उत्तर बी

- कथन 1 सही है - नानागढ़ शिलालेखों के शिलालेखों में सातवाहनों का उल्लेख है, विशेष रूप से गौतमीपुत्र शातकर्णी का। नानेघाट शिलालेख से पता चलता है कि शातकर्णी ने अपनी संप्रभुता की घोषणा करने के लिए दो अश्वमेघ यज्ञ (अश्वमेध) किए।
- कथन 2 गलत है - सातवाहनों ने बौद्ध धर्म और ब्राह्मणवाद दोनों को संरक्षण दिया। उन्होंने चैत्य और विहार बनवाये। उन्होंने बौद्ध भिक्षुओं को गाँव और भूमि का अनुदान भी दिया। कार्ले शिलालेख में उल्लेख है कि शातकर्णी ने बौद्ध भिक्षुओं को भूमि दान में दी थी। इसके अलावा, वशिष्ठपुत्र पुलमयी ने पुराने अमरावती स्तूप की मरम्मत करवाई थी।
- कथन 3 गलत है - सातवाहन शासन के दौरान व्यापार और वाणिज्य समृद्ध हुआ। व्यापारियों द्वारा अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए श्रेणियों का गठन किया गया। सातवाहन काल में विदेशी वाणिज्यिक गतिविधि भी देखी गई।

41. उत्तर डी

- कथन 1 गलत है: हड़प्पा सभ्यता में चाँदी के सबसे पुराने साक्ष्य देखे गए हैं। हड़प्पावासी मोतियों के निर्माण में बहुत माहिर थे और सोने, चाँदी, कारेलियन और अन्य कीमती पत्थरों के आभूषण बनाते थे।
- कथन 2 गलत है: हड़प्पा काल के दौरान व्यापार काफी हद तक वस्तु विनिमय प्रणाली पर आधारित था क्योंकि उपयोग में कोई धातु मुद्रा नहीं थी। व्यापार आंतरिक और बाह्य दोनों था। व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए अंतर्देशीय परिवहन का भी उपयोग किया जाता था।
- कथन 3 गलत है: हड़प्पा के लोगों द्वारा इमारतों में पकी हुई ईंटों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता था। हालाँकि, पकी हुई ईंटों के उपयोग का उनका ज्ञान मिस्र की सभ्यता से प्राप्त नहीं हुआ था क्योंकि वहाँ की इमारतें मुख्य रूप से सूखी ईंटों से बनी थीं।

42. Answer D

- Statement 4 is incorrect: The Harappans are said to have used plain or painted pottery. The painted pottery were referred to as Red and Black pottery which were painted with red and had black designs mostly of geometrical patterns, animals and birds. However, the use of polychrome pottery is very rare in Harappan civilization.

43. Answer B

- Statement 1 is correct: Terracotta figures of several female goddesses have been found from the Harappan seals which indicate the worship of Mother Goddess. Also, a plant emerging from an embryo indicates that Mother Earth was also worshipped. There has been evidence of Phallus worship which later developed into Hinduism as Shivlinga. Hence, a number of symbols of Phallus and female sex organs have been found which are made of stone.
- Statement 2 is correct: The people of Harappan civilization wore amulets to ward off any evil spirit. The Bronze statue of the Dancing girl from Mohenjo-daro also carries an amulet in her arms. The use of amulets for warding off spirits also finds mention in the Atharva Veda. Atharva Veda is one of the four Vedas that deals with the cure of several diseases. It also contains the details of several rituals.
- Statement 3 is incorrect: Animals like one horned rhinoceros and the humped bull are also worshipped by the Harappan people. They believed in nature worship. Trees are also depicted in the seals. In one of the seals, a deity is depicted amidst the branches of a Pipal tree.

42. उत्तर D

कथन 4 गलत है: कहा जाता है कि हड़प्पावासी सादे या चित्रित मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करते थे। चित्रित मिट्टी के बर्तनों को लाल और काले मिट्टी के बर्तनों के रूप में संदर्भित किया जाता था जो लाल रंग से चित्रित होते थे और उनमें ज्यादातर ज्यामितीय पैटर्न, जानवरों और पक्षियों के काले डिजाइन होते थे। हालाँकि, हड़प्पा सभ्यता में पॉलीक्रोम मिट्टी के बर्तनों का उपयोग बहुत दुर्लभ है।

43. उत्तर B

- कथन 1 सही है: हड़प्पा की मुहरों से कई देवियों की टेराकोटा आकृतियाँ मिली हैं जो मातृ देवी की पूजा का संकेत देती हैं। साथ ही भ्रूण से पौधा निकलना इस बात का संकेत है कि धरती माता की भी पूजा की जाती थी। लिंग पूजा के प्रमाण मिले हैं जो बाद में हिंदू धर्म में शिवलिंग के रूप में विकसित हुआ। अतः शिश्र और स्त्री यौन अंगों के अनेक चिह्न मिले हैं जो पत्थर के बने हैं।
- कथन 2 सही है: हड़प्पा सभ्यता के लोग किसी भी बुरी आत्मा से बचने के लिए ताबीज पहनते थे। मोहनजो-दारो की नृत्यांगना की कांस्य प्रतिमा के हाथों में एक ताबीज भी है। आत्माओं को भगाने के लिए ताबीज के उपयोग का उल्लेख अथर्ववेद में भी मिलता है। अथर्ववेद चार वेदों में से एक है जो कई बीमारियों के इलाज से संबंधित है। इसमें कई अनुष्ठानों का विवरण भी शामिल है।
- कथन 3 गलत है: एक सींग वाले गैंडे और कूबड़ वाले बैल जैसे जानवरों की भी हड़प्पा के लोगों द्वारा पूजा की जाती है। वे प्रकृति पूजा में विश्वास करते थे। मुहरों में वृक्षों का भी चित्रण किया गया है। एक मुहर में पीपल के पेड़ की शाखाओं के बीच एक देवता को दर्शाया गया है।

RACE IAS General Studies

RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations



44. Answer C

- Statement 1 is correct: Terracotta figures of women from the Chalcolithic period suggest that the Chalcolithic people venerated the mother goddess. Similar terracotta figures of the mother goddess have also been found from the Indus Valley Civilisation.
- Statement 2 is incorrect: The people of the Chalcolithic period used to deposit pots and some copper objects in the graves for the use of the dead in the next world. This shows their belief in the afterlife. Similarly, Harappan people also buried pottery and ornaments, indicating a belief that these could be used in the afterlife.
- Statement 3 is correct: Both the settlement pattern and burial practices suggest the beginning of social inequalities in the chalcolithic society. Some settlements in Jorwe are as large as twenty hectares but others are only five hectares and even less. This suggests that the large settlements dominated the smaller ones. In the Indus Valley Civilisation, the citadel and the lower town were depiction of social inequalities.

45. Answer C

- Pair 4 is incorrect: The findings from Harappa include 2 rows of six granaries with big platforms, stone symbols of lingam and yoni, mother goddess sculpture, wheat and barley in wooden mortar, dice, copper scale and mirror. Moreover, a sculpture of a dog chasing a deer in bronze metal, and a red sandstone male torso have been excavated. The findings from Mohenjodaro include a great bath, the great granary, post cremation burial, sculpture of a bearded priest, the famous bronze statue of the Dancing Girl and Pashupati Seal.

44. उत्तर C

- कथन 1 सही है: ताम्रपाषाण काल की महिलाओं की टेराकोटा आकृतियाँ बताती हैं कि ताम्रपाषाण काल के लोग देवी माँ की पूजा करते थे। सिंधु घाटी सभ्यता से भी मातृ देवी की ऐसी ही टेराकोटा आकृतियाँ मिली हैं।
- कथन 2 गलत है: ताम्रपाषाण काल के लोग मृतकों के अगली दुनिया में उपयोग के लिए कब्रों में बर्तन और कुछ ताँबे की वस्तुएँ जमा करते थे। इससे मृत्युपरांत जीवन में उनके विश्वास का पता चलता है। इसी तरह, हड़प्पा के लोगों ने मिट्टी के बर्तनों और आभूषणों को भी दफनाया, जो इस धारणा को दर्शाता है कि इनका उपयोग मृत्यु के बाद किया जा सकता है।
- कथन 3 सही है: निपटान पैटर्न और दफन प्रथा दोनों ताम्रपाषाणिक समाज में सामाजिक असमानताओं की शुरुआत का सुझाव देते हैं। जोर्वे में कुछ बस्तियाँ बीस हेक्टेयर जितनी बड़ी हैं, लेकिन अन्य केवल पाँच हेक्टेयर या उससे भी कम हैं। इससे पता चलता है कि बड़ी बस्तियाँ छोटी बस्तियों पर हावी थीं। सिंधु घाटी सभ्यता में, गढ़ और निचले शहर सामाजिक असमानताओं का चित्रण थे।

45. उत्तर C

जोड़ी 4 गलत है: हड़प्पा से प्राप्त निष्कर्षों में बड़े चबूतरे वाले छह अन्न भंडारों की 2 पंक्तियाँ, लिंगम और योनि के पत्थर के प्रतीक, मातृ देवी की मूर्ति, लकड़ी के मोर्टार में गेहूँ और जौ, पासा, ताँबे का पैमाना और दर्पण शामिल हैं। इसके अलावा, कांस्य धातु से बनी हिरण का पीछा करते कुत्ते की एक मूर्ति और एक लाल बलुआ पत्थर का नर धड़ भी खुदाई में मिला है। मोहनजोदड़ो से प्राप्त अवशेषों में एक विशाल स्नानघर, विशाल अन्न भंडार, दाह संस्कार के बाद दफनाने की जगह, एक दाढ़ी वाले पुजारी की मूर्ति, नृत्य करती हुई लड़की की प्रसिद्ध कांस्य प्रतिमा और पशुपति सील शामिल हैं।



46. Answer A

- Statement 1 is correct - Administrative machinery of the Aryans in the Rig vedic period worked with the tribal chief in the centre. The chief was known as rajan and he did not exercise unlimited power and had to reckon with the tribal organizations.
- Statement 2 is correct - Tribal elements in the society were stronger and social divisions based on collection of taxes and or accumulation of landed property were absent. The society was largely egalitarian.
- Statement 3 is correct: Gifts made to priests were usually cows and women slaves (for household works) and never of land, even those of cereals are rare. The cow seems to have been the most important form of wealth.
- Statement 4 is incorrect - The Aryans were engaged in two types of conflicts-first they fought with the pre-aryans and secondly, they fought among themselves. 'Dasas' mentioned in Iranian literature (Avesta) were the branch of early Aryans. Rig Veda mentions the defeat of Sambara by a chief called Divodasa (Bharata clan) 'Dasyus' in the Rig Veda representing the original inhabitants of the country, and an Aryan chief who overpowered them was called Trayadasyu. Active hostility was with the original inhabitants.

47. Answer C

- Statement 2 is incorrect : The earliest life of the Aryans seems to have been mainly pastoral, agriculture being the secondary occupation. They owed their prosperity to cattle wealth. Fought wars to gain supremacy of cattle wealth. They were well acquainted with the sowing and harvesting procedures (evident from the excavated wooden ploughshare), they had knowledge about various seasons also. Agriculture was mostly to produce fodder.

46. उत्तर ए

- कथन 1 सही है - ऋग्वैदिक काल में आर्यों की प्रशासनिक मशीनरी केंद्र में आदिवासी मुखिया के साथ काम करती थी। मुखिया को राजन के नाम से जाना जाता था और वह असंमित शक्ति का प्रयोग नहीं करता था और उसे आदिवासी संगठनों के साथ तालमेल बिठाना पड़ता था।
- कथन 2 सही है - समाज में जनजातीय तत्व मजबूत थे और करों के संग्रह या भूमि संपत्ति के संचय पर आधारित सामाजिक विभाजन अनुपस्थित थे। समाज काफी हद तक समतावादी था।
- कथन 3 सही है: पुजारियों को दिए जाने वाले उपहार आमतौर पर गायें और महिला दास (घरेलू कार्यों के लिए) होते थे और कभी भी जमीन नहीं, यहां तक कि अनाज भी दुर्लभ होते हैं। ऐसा लगता है कि गाय धन का सबसे महत्वपूर्ण रूप रही है।
- कथन 4 गलत है - आर्य दो प्रकार के संघर्षों में लगे हुए थे - पहला वे पूर्व-आर्यों से लड़े और दूसरे, वे आपस में लड़े। ईरानी साहित्य (अवेस्ता) में उल्लिखित 'दास' प्रारंभिक आर्यों की शाखा थे। ऋग्वेद में देश के मूल निवासियों का प्रतिनिधित्व करने वाले दिवोदास (भरत वंश) 'दस्यु' नामक एक प्रमुख द्वारा सांभर की हार का उल्लेख है, और एक आर्य प्रमुख जिसने उन पर विजय प्राप्त की थी, उसे त्रयदस्यु कहा जाता था। सक्रिय शत्रुता मूल निवासियों से थी।

47. उत्तर C

कथन 2 गलत है: ऐसा प्रतीत होता है कि आर्यों का प्रारंभिक जीवन मुख्य रूप से देहाती था, कृषि उनका गौण व्यवसाय था। उनकी समृद्धि का श्रेय पशुधन को जाता था। पशु धन पर आधिपत्य पाने के लिए युद्ध लड़े। वे बुआई और कटाई की प्रक्रियाओं से अच्छी तरह परिचित थे (खुदाई से प्राप्त लकड़ी के हल से स्पष्ट), उन्हें विभिन्न मौसमों के बारे में भी जानकारी थी। कृषि का मुख्य उद्देश्य चारा पैदा करना था।

48. Answer A

- Statement 1 is correct - Gargi, Maitreyi and Katyayani composed hymns and had scholarly expertise. Early vedic society was male dominated. Birth of daughters was not desired during the early Rig Vedic period, but once they were born, they were treated with kindness and consideration. Their education was not neglected. Women attended the meetings of the Vidatha. Girls were free to choose their life partners. There are no instances of child marriage, sati, or purdah in the Rig Veda
- Statement 2 is correct - During the Early vedic period Girls enjoyed a lot more freedom than the later vedic period. They were married long after they had reached puberty and there seems to have been considerable freedom in the selection of husbands. There was no purdah system.
- Statement 3 is correct - Remarriage of widows was permitted and Niyoga or Levirate(a dead man's brother or next of kin marrying the widow) was practiced by some. No instances of child marriage or purdah system. Though monogamy was the rule but polygamy was also permitted. Instances (Maruts marriage with Rodasi) of polyandry were also there.
- Statement 4 is correct - Status of women declined in the later Vedic period and there was social stratification based on gender lines. Their participation in ceremonies was restricted. They were stripped of the right to attend assemblies. According to Aitareya Brahmana, a daughter has been described as a source of misery.

49. Answer C

- Statement 1 is Correct: The Rig Vedic economy was clan based and pastoral in nature. Evidence of trade and commerce is meagre, and there was no concept of private property based on land ownership. The clan as a whole enjoyed rights over the resources.
- Statement 2 is Incorrect: Though agriculture during the Rig Vedic period was primitive, the Rig Vedic people were aware about the concepts of soil fertility. The Rig Vedic hymns refer to the levelling of fields for cultivation, the desire for fertile fields (urvara), and furrows (sita) drenched by rain, producing rich harvests.

48. उत्तर ए

- कथन 1 सही है - गार्गी, मैत्रेयी और कात्यायनी ने भजनों की रचना की और उनमें विद्वतापूर्ण विशेषज्ञता थी। प्रारंभिक वैदिक समाज पुरुष प्रधान था। प्रारंभिक ऋग्वैदिक काल में बेटियों का जन्म वांछनीय नहीं था, लेकिन एक बार जब वे पैदा हो जाती थीं, तो उनके साथ दयालुता और विचार किया जाता था। उनकी शिक्षा की उपेक्षा नहीं की गई। महिलाएं विदथ की बैठकों में भाग लेती थीं। लड़कियाँ अपना जीवन साथी चुनने के लिए स्वतंत्र थीं। ऋग्वेद में बाल विवाह, सती या पर्दा प्रथा का कोई उदाहरण नहीं है
- कथन 2 सही है - प्रारंभिक वैदिक काल के दौरान लड़कियों को उत्तर वैदिक काल की तुलना में बहुत अधिक स्वतंत्रता प्राप्त थी। उनकी शादी युवावस्था तक पहुंचने के काफी समय बाद हुई थी और ऐसा लगता है कि पतियों के चयन में काफी स्वतंत्रता थी। कोई पर्दा प्रथा नहीं थी
- कथन 3 सही है - विधवाओं के पुनर्विवाह की अनुमति थी और कुछ लोगों द्वारा नियोग या लेविरेट (एक मृत व्यक्ति का भाई या निकटतम रिश्तेदार जो विधवा से विवाह करता है) का अभ्यास किया जाता था। बाल विवाह या पर्दा प्रथा का कोई उदाहरण नहीं। हालाँकि एक विवाह का नियम था लेकिन बहुविवाह की भी अनुमति थी। बहुपति प्रथा के उदाहरण (रोदसी के साथ मरुत का विवाह) भी थे।
- कथन 4 सही है - उत्तर वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति में गिरावट आई और लिंग आधार पर सामाजिक स्तरीकरण हुआ। समारोहों में उनकी भागीदारी प्रतिबंधित थी। उनसे सभाओं में भाग लेने का अधिकार छीन लिया गया। ऐतरेय ब्राह्मण के अनुसार पुत्री को दुख का स्रोत बताया गया है।

49. उत्तर सी

- कथन 1 सही है: ऋग्वैदिक अर्थव्यवस्था कबीले आधारित और देहाती प्रकृति की थी। व्यापार और वाणिज्य के साक्ष्य अल्प हैं और भूमि स्वामित्व पर आधारित निजी संपत्ति की कोई अवधारणा नहीं थी। कुल मिलाकर कबीले को संसाधनों पर अधिकार प्राप्त था।
- कथन 2 गलत है: यद्यपि ऋग्वैदिक काल के दौरान कृषि आदिम थी, ऋग्वैदिक लोग मिट्टी की उर्वरता की अवधारणाओं से अवगत थे। ऋग्वैदिक ऋचाओं में खेती के लिए खेतों को समतल करने, उपजाऊ खेतों (उर्वर) की इच्छा और बारिश से भीगे हुए खांचों (सीता) का उल्लेख है, जिससे भरपूर फसल पैदा होती है।

50. Answer B

- Statement 1 is incorrect: Anguttara Nikaya, a buddhist text, mentions the presence of the 16 Mahajanpadas or the large states. They extended to the North of the Vindhya range from the North-west frontier to Bihar. Of these, Kosala and Magadha were the two powerful ones. Magadha emerged into power during the rule of the Haryanka Dynasty and its ruler Bimbisara. He was succeeded by his son Ajatshatru. The capital of the Magadha then was Rajgir. The last ruler of this dynasty, Udayin, was succeeded by the Shishunaga dynasty. Avanti was the biggest rival of Magadha and had capitals at Ujjain and Mahishmati. This rivalry ended with the defeat of the Avanti by the Shaisungas. Hence, it was not Ajatshatru rather Shaishungas that brought an end to Avanti.
- Statement 2 is correct: The importance of Avanti lies in the presence of good quality iron weapons and the extensive use of smelting and forging to smelt the iron ore.
- Statement 3 is incorrect: The Shaishungas, who succeeded the Haryanka Dynasty by defeating their last ruler Udayain, shifted capital to Vaishali from Rajgir. The shaishungas were defeated by the Nandas who had enormous strength of the army.

50. उत्तर बी

- कथन 1 गलत है: अंगुत्तर निकाय, एक बौद्ध पाठ, 16 महाजनपदों या बड़े राज्यों की उपस्थिति का उल्लेख करता है। वे विंध्य पर्वतमाला के उत्तर में उत्तर-पश्चिमी सीमा से लेकर बिहार तक फैले हुए थे। इनमें से कोसल और मगध दो शक्तिशाली थे। मगध हर्यक राजवंश और उसके शासक बिम्बिसार के शासनकाल के दौरान सत्ता में उभरा। उनका उत्तराधिकारी उनका पुत्र अजातशत्रु था। तब मगध की राजधानी राजगीर थी। इस वंश के अंतिम शासक उदयिन का उत्तराधिकारी शिशुनाग वंश हुआ। अवंती मगध का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी था और उसकी राजधानियाँ उज्जैन और महिष्मती में थीं। यह प्रतिद्वंद्विता शैशुंगों द्वारा अवंती की हार के साथ समाप्त हुई। इसलिए, यह अजातशत्रु नहीं बल्कि शैशुंग थे जिन्होंने अवंती का अंत किया।
- कथन 2 सही है: अवंती का महत्व अच्छी गुणवत्ता वाले लौह हथियारों की उपस्थिति और लौह अयस्क को गलाने के लिए गलाने और फोर्जिंग के व्यापक उपयोग में निहित है।
- कथन 3 गलत है: शैशुंग, जो अपने अंतिम शासक उदयैन को हराकर हर्यका राजवंश के उत्तराधिकारी बने, ने राजधानी को राजगीर से वैशाली स्थानांतरित कर दिया। शैशुंगों को नंदों द्वारा पराजित किया गया जिनके पास विशाल सेना थी।

51. Answer D

- The Paleolithic Period or Old Stone Age is the earliest period of human development, which lasted until approx 8000 BC. It is divided into two eras: the Lower Paleolithic (to 40,000 BC) and the Upper Paleolithic (40,000–8000 BC). During the Paleolithic period, man was a hunter and food gatherer. The human being used to use simple chipped and chopped stone tools for hunting and other purposes. In India, the earliest paintings have been reported from the Upper Palaeolithic times. Hence, statement 1 is not correct.
- The paintings of the Upper Palaeolithic phase are linear representations, in green and dark red, of huge animal figures, such as bison, elephants, tigers, rhinos, and boars besides stick-like human figures. A few are wash paintings but mostly they are filled with geometric patterns. The green paintings are of dancers and the red ones of hunters. For example, the rock shelters on banks of the River Suyal at Lakhudiyar, about twenty kilometers on the Almora– Bareilly road, bear these prehistoric paintings. Lakhudiyar literally means one lakh caves. The paintings here can be divided into three categories: man, animal, and geometric patterns in white, black, and red ochre. Humans are represented in stick-like forms. A long-snouted animal, a fox, and a multiple-legged lizard are the main animal motifs. Wavy lines, rectangle-filled geometric designs, and groups of dots can also be seen here. Hence, statement 2 is not correct.
- During the Mesolithic period, the themes were multiple but the paintings are smaller in size. Hunting scenes predominate. The hunting scenes depict people hunting in groups, armed with barbed spears, pointed sticks, arrows and bows. In some paintings, these primitive men are shown with traps and snares probably to catch animals. The hunters are shown wearing simple clothes and ornaments. Sometimes, men have been adorned with elaborate head-dresses, and sometimes painted with masks also. Elephants, bison, tiger, boar, deer, antelope, leopard, panther, rhinoceros, fish, frog, lizard, squirrel, and at times birds are also depicted. Hence, statement 3 is not correct.

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

51. उत्तर डी

- पुरापाषाण काल या पुराना पाषाण युग मानव विकास का सबसे प्रारंभिक काल है, जो लगभग 8000 ईसा पूर्व तक चला। इसे दो युगों में विभाजित किया गया है: निचला पुरापाषाण काल (40,000 ईसा पूर्व तक) और ऊपरी पुरापाषाण काल (40,000-8000 ईसा पूर्व)। पुरापाषाण काल में मनुष्य शिकारी और भोजन संग्रहकर्ता था। मनुष्य शिकार और अन्य उद्देश्यों के लिए साधारण चिपटे और कटे हुए पत्थर के औजारों का उपयोग करता था। भारत में सबसे प्रारंभिक चित्रकलाएँ ऊपरी पुरापाषाण काल की बताई गई हैं। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।
- ऊपरी पुरापाषाण चरण की पेंटिंग्स हरे और गहरे लाल रंग में रेखिक प्रतिनिधित्व हैं, जिसमें विशाल जानवरों की आकृतियाँ, जैसे बाइसन, हाथी, बाघ, गैंडे और सूअर के अलावा छड़ी जैसी मानव आकृतियाँ हैं। कुछ धुली हुई पेंटिंग हैं लेकिन अधिकतर वे ज्यामितीय पैटर्न से भरी हुई हैं। हरी पेंटिंग नर्तकियों की हैं और लाल शिकारियों की। उदाहरण के लिए, अल्मोडा-बरेचिना रोड पर लगभग बीस किलोमीटर दूर लखुडियार में सुयाल नदी के तट पर स्थित शैल आश्रय इन प्रागैतिहासिक चित्रों को दर्शाते हैं। लखुडियार का शाब्दिक अर्थ है एक लाख गुफाएँ। यहां की पेंटिंग्स को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है: आदमी, जानवर, और सफेद, काले और लाल गेरू में ज्यामितीय पैटर्न। मनुष्य को छड़ी जैसे रूपों में दर्शाया गया है। एक लंबे धूधन वाला जानवर, एक लोमड़ी और एक कई पैरों वाली छिपकली मुख्य पशु रूपांकन हैं। लहरदार रेखाएँ, आयताकार-भरे ज्यामितीय डिज़ाइन और बिंदुओं के समूह भी यहाँ देखे जा सकते हैं। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- मध्यपाषाण काल के दौरान, विषय अनेक थे लेकिन चित्र आकार में छोटे थे। शिकार के दृश्य प्रमुख हैं। शिकार के दृश्यों में लोगों को समूहों में शिकार करते हुए दिखाया गया है, जो कांटेदार भालों, नुकीली लाठियों, तीर और धनुष से लैस हैं। कुछ चित्रों में, इन आदिम मनुष्यों को संभवतः जानवरों को पकड़ने के लिए जाल और फंदे के साथ दिखाया गया है। शिकारियों को साधारण कपड़े और आभूषण पहने हुए दिखाया गया है। कभी-कभी, पुरुषों को विस्तृत सिर-पोशाकों से सजाया गया है, और कभी-कभी मुखौटों से भी चित्रित किया गया है। हाथी, बाइसन, बाघ, सूअर, हिरण, मृग, तेंदुआ, गैंडा, मछली, मेंढक, छिपकली, गिलहरी और कभी-कभी पक्षियों को भी चित्रित किया गया है। इसलिए, कथन 3 सही नहीं है।



52. Answer B

- Statement 1 is correct: In ancient India, the Guptas issued the largest number of gold coins, which were called dinaras in their inscriptions. They vividly portray Gupta kings, indicating later love for war and art.
- Statement 2 is not correct: Compared to the earlier period we notice a decline in long-distance trade. Till 550 AD India carried on some trade with the Eastern Roman Empire to which it exported silk. Around 550 AD the people of the Eastern Roman Empire learned from the Chinese the art of growing silk, which adversely affected the export trade of India.
- Statement 3 is correct: The striking development of the Gupta period was the emergence of priestly landlords at the cost of local peasants. Land grants made to priests brought many virgin lands under cultivation. But these beneficiaries were imposed from above on the tribal peasants.

53. Answer B

- The Indus people sowed seed in the floodplains in November, when the flood water receded, and reaped their harvest of wheat and barley in April, before the advent of the next flood. They produced wheat, barley, rice, peas, sesame, mustard and rice. Hence, statement 1 is correct.
- No hoe or ploughshare has been discovered, but the furrows discovered in the pre-Harappan phase at Kalibangan show that the fields were ploughed in Rajasthan in the Harappan period. The Harappans probably used the wooden ploughshare. We do not know whether the plough was drawn by men or oxen. Stone sickles may have been used for harvesting the crops. Hence, statement 2 is not correct.
- The Indus people were the earliest people to produce cotton. Because cotton was first produced in this area the Greeks called it —sindon, which is derived from Sindh. Hence, statement 3 is correct. Ragi or finger millet is not known so far to any of the Harappan sites in north India. Hence, statement 4 is not correct.

52. उत्तर बी

- कथन 1 सही है: प्राचीन भारत में, गुप्तों ने सबसे अधिक संख्या में सोने के सिक्के जारी किए, जिन्हें उनके शिलालेखों में दिनारा कहा गया था। वे गुप्त राजाओं का सजीव चित्रण करते हैं, जो बाद के युद्ध और कला के प्रति प्रेम को दर्शाता है।
- कथन 2 सही नहीं है: पहले की अवधि की तुलना में हम लंबी दूरी के व्यापार में गिरावट देखते हैं। 550 ई. तक भारत पूर्वी रोमन साम्राज्य के साथ कुछ व्यापार करता था जहाँ वह रेशम का निर्यात करता था। लगभग 550 ई. में पूर्वी रोमन साम्राज्य के लोगों ने चीनियों से रेशम उगाने की कला सीखी, जिससे भारत के निर्यात व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।
- कथन 3 सही है: गुप्त काल का उल्लेखनीय विकास स्थानीय किसानों की कीमत पर पुरोहित जमींदारों का उदय था। पुजारियों को दिए गए भूमि अनुदान से कई अछूती भूमियाँ खेती के अधीन आ गईं। लेकिन ये लाभ आदिवासी किसानों पर ऊपर से थोपे गए थे।

53. उत्तर बी

- सिंधु लोग नवंबर में बाढ़ के मैदानों में बीज बोते थे, जब बाढ़ का पानी कम हो जाता था, और अगली बाढ़ आने से पहले अप्रैल में गेहूं और जौ की फसल काट लेते थे। उन्होंने गेहूं, जौ, चावल, मटर, तिल, सरसों और चावल का उत्पादन किया। अतः, कथन 1 सही है।
- कोई कुदाल या हल की खोज नहीं की गई है, लेकिन कालीबंगन में पूर्व-हड़प्पा चरण में खोजे गए कुंडों से पता चलता है कि हड़प्पा काल में राजस्थान में खेतों की जुताई की जाती थी। हड़प्पावासी संभवतः लकड़ी के फाल का प्रयोग करते थे। हम नहीं जानते कि हल आदमी खींचता था या बैल। फसलों की कटाई के लिए पत्थर की हँसिया का प्रयोग किया जाता होगा। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- सिन्धु लोग कपास का उत्पादन करने वाले सबसे पहले लोग थे। चूँकि कपास का उत्पादन सबसे पहले इसी क्षेत्र में हुआ था इसलिए यूनानियों ने इसे "सिंडन" कहा, जो सिंध से लिया गया है। अतः, कथन 3 सही है। रागी या बाजरा के बारे में अभी तक उत्तर भारत के किसी भी हड़प्पा स्थल पर पता नहीं चला है। इसलिए, कथन 4 सही नहीं है।

54. Answer C

- Stupa, vihara and chaitya are part of Buddhist and Jaina monastic complexes but the largest number belong to the Buddhist religion. Hence, statement 1 is correct.
- The practice of making rock-cut caves was started during the Mauryan period and reached its zenith during the 2nd century AD under the Satavahana rule. Hence, statement 2 is correct.
- Ashoka constructed eight rock-cut halls in the Barabar & Nagarjuni hills and the one near Rajgir dedicated to Jaina monks. The Lomas Rishi, the Sudama (both in the Barabar hills) and the Sitamarhi (Nagarjuni hills) caves are fine examples of the Chaityas which resembled the wooden buildings of the period.

55. Answer A

- Magadha was a region where agriculture was especially productive.
- Besides, iron mines (in present-day Jharkhand) were accessible and provided resources for tools and weapons. Hence statement 1 is correct.
- Elephants, an important component of the army, were found in forests in the region. Hence, statement 2 is correct.
- However, early Buddhist and Jaina writers who wrote about Magadha attributed its power to the policies of individuals: ruthlessly ambitious kings of whom Bimbisara, Ajatasatru, and Mahapadma Nanda are the best known, and their ministers, who helped implement their policies. Hence, statement 3 is correct.

56. Answer D

- Ajivika is one of the nāstika or "heterodox" schools of Indian philosophy. Makkhali Gosala is considered as its founder in 5th century BCE. Several rock-cut caves belonging to Ajivika are dated to the times of the Mauryan emperor Ashoka who patronized the Ajivika sect. Hence statement 1 is not correct.
- The rock-cut cave carved at Barabar hills near Gaya in Bihar is known as the Lomas Rishi cave. The facade of the cave is decorated with the semicircular chaitya arch as the entrance. Hence statement 2 is correct.

54. उत्तर सी

- स्तूप, विहार और चैत्य बौद्ध और जैन मठ परिसरों का हिस्सा हैं लेकिन सबसे बड़ी संख्या बौद्ध धर्म की है। अतः, कथन 1 सही है।
- चट्टानों को काटकर गुफाएँ बनाने की प्रथा मौर्य काल के दौरान शुरू हुई और सातवाहन शासन के दौरान दूसरी शताब्दी ईस्वी के दौरान अपने चरम पर पहुँच गई। अतः, कथन 2 सही है।
- अशोक ने बाराबर और नागार्जुनी पहाड़ियों में और राजगीर के पास जैन भिक्षुओं को समर्पित आठ रॉक-कट हॉल का निर्माण किया। लोमस ऋषि, सुदामा (दोनों बाराबर पहाड़ियों में) और सीतामढ़ी (नागार्जुनी पहाड़ियाँ) गुफाएँ चैत्य के बेहतरीन उदाहरण हैं जो उस काल की लकड़ी की इमारतों से मिलती जुलती थीं।

55. उत्तर ए

- मगध एक ऐसा क्षेत्र था जहाँ कृषि विशेष रूप से उत्पादक थी।
- इसके अलावा, लोहे की खदानें (वर्तमान झारखंड में) सुलभ थीं और औजारों और हथियारों के लिए संसाधन उपलब्ध कराती थीं। अतः, कथन 1 सही है।
- हाथी, सेना का एक महत्वपूर्ण घटक, इस क्षेत्र के जंगलों में पाए जाते थे। अतः, कथन 2 सही है।
- हालाँकि, मगध के बारे में लिखने वाले शुरुआती बौद्ध और जैन लेखकों ने इसकी शक्ति का श्रेय व्यक्तियों की नीतियों को दिया: क्रूर महत्वाकांक्षी राजा जिनमें से बिम्बिसार, अजातशत्रु और महापद्म नंद सबसे प्रसिद्ध हैं, और उनके मंत्री, जिन्होंने उनकी नीतियों को लागू करने में मदद की। अतः, कथन 3 सही है।

56. उत्तर डी

- आजीविका भारतीय दर्शन के नास्तिक या "विधर्मि" विद्यालयों में से एक है। मक्खलि गोशाल को 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व में इसका संस्थापक माना जाता है। आजीविका से संबंधित कई चट्टानों को काटकर बनाई गई गुफाएँ मौर्य सम्राट अशोक के समय की हैं, जिन्होंने आजीविक संप्रदाय को संरक्षण दिया था। अतः, कथन 1 सही नहीं है।
- बिहार में गया के पास बाराबर पहाड़ियों पर चट्टान को काटकर बनाई गई गुफा को लोमस ऋषि गुफा के नाम से जाना जाता है। गुफा के अग्रभाग को प्रवेश द्वार के रूप में अर्धवृत्ताकार चैत्य मेहराब से सजाया गया है। अतः, कथन 2 सही है।

57. Answer D

- The people of the chalcolithic phase used different types of pottery: black and red were the most prevalent, others were black-on-red (found in Jorwe) and ochre-colored pottery (OCP) which roughly covered the period between 2000 B.C and 1500 B.C. The OCP people were junior contemporaries of the Harappans and the area in which they lived was not far removed from that of the Harappans. Hence option (d) is not correct.

58. Answer C

- The king maintained close contact with the provincial administration through a class of officials called Kumaramatyasand Ayuktas. They were important officers in the Gupta administration and were appointed by the king. Hence, option (c) is the correct answer.

59. Answer C

- The Sangam texts are different from the Vedic texts, particularly the Rig Vedic texts. They do not constitute religious literature. The short and long poems were composed by numerous poets in praise of numerous heroes and heroines. Thus they are secular in nature. Hence, statement 1 is correct.
- They are not primitive songs, but they show a high quality of literature. Many poems mention a warrior or a chief or a king by name and describe his military exploits in detail. The gifts made by him to bards and warriors are celebrated. These poems may have been recited in the courts. Hence, statement 2 is correct.
- The Sangam texts refer to many settlements including Kaveripattanam whose flourishing existence is now attested archaeologically. They also speak of the Yavanas (foreigners) coming in their own vessels purchasing pepper with gold and supplying wine and women slaves to the natives. This trade is not known only from Latin and Greek writings but also from archaeological records. The Sangam literature is a very major source of our information for the social, economic and political life of the people living in deltaic Tamil Nadu in the early Christian centuries. Hence, statement 3 is correct.

57. उत्तर डी

ताम्रपाषाण चरण के लोग विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करते थे: काले और लाल सबसे अधिक प्रचलित थे, अन्य काले-पर-लाल (जोरवे में पाए गए) और गेरू रंग के मिट्टी के बर्तन (ओसीपी) थे, जो लगभग 2000 ईसा पूर्व और 1500 के बीच की अवधि को कवर करते थे। ईसा पूर्व ओसीपी लोग हड़प्पावासियों के कनिष्ठ समकालीन थे और जिस क्षेत्र में वे रहते थे वह हड़प्पावासियों के क्षेत्र से अधिक दूर नहीं था। अतः विकल्प (डी) सही नहीं है।

58. उत्तर सी

राजा कुमारामात्यसंद अयुक्तस नामक अधिकारियों के एक वर्ग के माध्यम से प्रांतीय प्रशासन के साथ निकट संपर्क बनाए रखता था। वे गुप्त प्रशासन में महत्वपूर्ण अधिकारी थे और राजा द्वारा नियुक्त किये जाते थे। अतः, विकल्प (सी) सही उत्तर है।

59. उत्तर सी

- संगम ग्रंथ वैदिक ग्रंथों, विशेषकर ऋग्वैदिक ग्रंथों से भिन्न हैं। वे धार्मिक साहित्य नहीं हैं। असंख्य कवियों द्वारा अनेक नायकों और नायिकाओं की प्रशंसा में छोटी और लंबी कविताएँ रची गईं। इस प्रकार वे स्वभाव से धर्मनिरपेक्ष हैं। अतः, कथन 1 सही है।
- वे आदिम गीत नहीं हैं, लेकिन वे उच्च गुणवत्ता वाले साहित्य को दर्शाते हैं। कई कविताओं में किसी योद्धा या सरदार या राजा का नाम लेकर उल्लेख किया गया है और उनके सैन्य कारनामों का विस्तार से वर्णन किया गया है। उनके द्वारा भाटों और योद्धाओं को दिए गए उपहारों का जश्न मनाया जाता है। ये कविताएँ शायद अदालतों में पढ़ी जाती होंगी। अतः, कथन 2 सही है।
- संगम ग्रंथों में कावेरीपट्टनम सहित कई बस्तियों का उल्लेख है, जिनका समृद्ध अस्तित्व अब पुरातात्विक रूप से प्रमाणित है। वे यवनों (विदेशियों) के अपने जहाजों में सोने के साथ काली मिर्च खरीदने और मूल निवासियों को शराब और महिला दासियों की आपूर्ति करने के बारे में भी बताते हैं। इस व्यापार के बारे में केवल लैटिन और ग्रीक लेखों से ही नहीं बल्कि पुरातात्विक अभिलेखों से भी पता चलता है। प्रारंभिक ईसाई शताब्दियों में डेल्टाई तमिलनाडु में रहने वाले लोगों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन के बारे में संगम साहित्य हमारी जानकारी का एक बहुत बड़ा स्रोत है। अतः, कथन 3 सही है।

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

60. Answer C

- The earliest literature of South India is represented by a group of texts in old Tamil, often collectively referred to as Sangam literature.
- The poems are of two types—akam (love poems) and puram (heroic poems).

61. Answer C

- Abdur Razzaq, an ambassador sent by the ruler of Persia to Calicut (present-day Kozhikode) in the fifteenth century and mentioned seven lines of forts. These encircled not only the city but also its agricultural hinterland and forests. The outermost wall linked the hills surrounding the city. Hence statement 1 is correct.
- The massive masonry construction was slightly tapered. No mortar or cementing agent was employed anywhere in the construction. The stone blocks were wedge-shaped, which held them in place, and the inner portion of the walls was of earth packed with rubble. Square or rectangular bastions projected outwards. Hence statement 2 is correct.
- Due to the surrounding areas being arid, elaborate arrangements had to be made to store rainwater and conduct it to the city. The most important such tank was built in the early years of the fifteenth century and is now called the Kamalapuram tank.
 - One of the most prominent waterworks to be seen among the ruins is the Hiriya canal. This canal drew water from a dam across the Tungabhadra and irrigated the cultivated valley. Hence statement 3 is correct.

60. उत्तर सी

दक्षिण भारत का प्रारंभिक साहित्य पुराने तमिल में ग्रंथों के एक समूह द्वारा दर्शाया गया है, जिसे अक्सर सामूहिक रूप से संगम साहित्य के रूप में जाना जाता है।

कविताएँ दो प्रकार की हैं—अकम (प्रेम कविताएँ) और पुरम (वीर कविताएँ)।

61. उत्तर C

- पंद्रहवीं शताब्दी में फारस के शासक द्वारा कालीकट (वर्तमान कोझीकोड) में भेजे गए एक राजदूत अब्दुर रज्जाक ने किलों की सात पंक्तियों का उल्लेख किया था। इनसे न केवल शहर बल्कि उसके कृषि क्षेत्र और जंगल भी घिर गए। सबसे बाहरी दीवार शहर के चारों ओर की पहाड़ियों को जोड़ती थी। अतः कथन 1 सही है।
- विशाल चिनाई निर्माण थोड़ा पतला था। निर्माण में कहीं भी मोर्तार या सीमेंटिंग एजेंट का उपयोग नहीं किया गया था। पत्थर के खंड पच्चर के आकार के थे, जो उन्हें अपनी जगह पर रखते थे, और दीवारों का आंतरिक भाग मलबे से भरी हुई मिट्टी का था। बाहर की ओर निकले हुए वर्गाकार या आयताकार बुर्ज। अतः कथन 2 सही है।
- आसपास के क्षेत्र शुष्क होने के कारण, वर्षा जल को संग्रहित करने और उसे शहर तक पहुँचाने के लिए विस्तृत व्यवस्था करनी पड़ी। इस तरह का सबसे महत्वपूर्ण टैंक पंद्रहवीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में बनाया गया था और अब इसे कमलापुरम टैंक कहा जाता है।
 - खंडहरों के बीच देखी जाने वाली सबसे प्रमुख जल संरचनाओं में से एक हिरिया नहर है। यह नहर तुंगभद्रा पर बने एक बांध से पानी खींचती थी और खेती योग्य घाटी को सिंचित करती थी। अतः कथन 3 सही है।

62. Answer B

- The old stone age or the Palaeolithic culture of India developed in the Pleistocene period of the Ice Age. The Pleistocene is the geological epoch that lasted from about 2,580,000 to 11,700 years ago, spanning the world's most recent period of repeated glaciations. Hence, statement 1 is correct.
- The Middle Palaeolithic industries were mainly based upon flakes. These flakes were found in different parts of India and show regional variations. The principal tools were varieties of blades, points, borers, and scrapers made of flakes. The microlithic industry developed during the Mesolithic phase. Hence, statement 2 is not correct.
- The Upper Paleolithic phase was less humid. It coincided with the last phase of the ice age when the climate became comparatively warm. The Paleolithic sites are found in hilly slopes and river valleys of the country and are absent in the alluvial plains of the Indus and the Ganga. Hence, statement 3 is correct.

62. उत्तर B

- भारत का पुराना पाषाण युग या पुरापाषाण संस्कृति हिम युग के प्लेइस्टोसिन काल में विकसित हुई। प्लेइस्टोसिन एक भूवैज्ञानिक युग है जो लगभग 2,580,000 से 11,700 साल पहले तक चला, जिसमें दुनिया में बार-बार होने वाले हिमनदों की सबसे हालिया अवधि शामिल है। अतः, कथन 1 सही है।
- मध्य पुरापाषाणिक उद्योग मुख्यतः शल्कों पर आधारित थे। ये गुच्छे भारत के विभिन्न भागों में पाए गए और क्षेत्रीय विविधताएँ दर्शाते हैं। प्रमुख उपकरण विभिन्न प्रकार के ब्लेड, पॉइंट, बोरर और फ्लेक्स से बने स्क्रैपर थे। सूक्ष्म पाषाण उद्योग मध्यपाषाण चरण के दौरान विकसित हुआ। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- ऊपरी पुरापाषाण काल कम आर्द्र था। यह हिमयुग के अंतिम चरण के साथ मेल खाता था जब जलवायु तुलनात्मक रूप से गर्म हो गई थी। पुरापाषाणकालीन स्थल देश की पहाड़ी ढलानों और नदी घाटियों में पाए जाते हैं और सिंधु और गंगा के जलोढ़ मैदानों में अनुपस्थित हैं। अतः, कथन 3 सही है।

63. Answer A

- Statement 1 is correct: The structure of the society was undergoing a change in the Gupta period and the caste system became rigid as the supremacy of the Brahmanas was increasing and they occupied the top ladder of the society. They were getting large-scale land grants not only from the rulers but from other people also. The land was given along with administrative rights and tax exemptions. Thus, a new class of brahmana landlords was created.
- Statement 2 is correct: The position of Shudras improved somewhat during the Gupta period. They were allowed to listen to religious texts like Ramayana and Mahabharata and the Puranas. They could also perform some domestic rituals that were earlier prohibited for them. In the seventh century, Hsuan Tsang called Shudras as agriculturists and the vaishyas as traders. Like shudras, women were allowed to listen to religious texts.
- Statement 3 is not correct: The position of women had also become miserable during the Gupta period. The subjection of women to men was thoroughly regularized. But it was insisted that they should be protected and generously treated by men. Women of higher-order did not have access to independent sources of livelihood in Gupta times. Women of lower varna were free to earn their livelihood, which gave them considerable freedom which was denied to women of upper varnas.

64. Answer D

- During the rule of Ashoka, arrangements were made for disposing of affairs of the people and to receive regular reports about them.
- Pativedakas were appointed to report about the affairs of the people at all times to the Ashoka.
- Epigraphists have translated the term Pativedaka as a reporter.

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

63. उत्तर ए

- कथन 1 सही है: गुप्त काल में समाज की संरचना में परिवर्तन हो रहा था और जैसे-जैसे ब्राह्मणों का वर्चस्व बढ़ रहा था, जाति व्यवस्था कठोर हो गई और उन्होंने समाज की शीर्ष सीढ़ी पर कब्जा कर लिया। उन्हें न केवल शासकों से बल्कि अन्य लोगों से भी बड़े पैमाने पर भूमि अनुदान मिल रहा था। ज़मीन प्रशासनिक अधिकारों और कर छूट के साथ दी गई थी। इस प्रकार, ब्राह्मण जमींदारों का एक नया वर्ग तैयार हो गया।
- कथन 2 सही है: गुप्त काल के दौरान शूद्रों की स्थिति में कुछ सुधार हुआ। उन्हें रामायण और महाभारत जैसे धार्मिक ग्रंथों और पुराणों को सुनने की अनुमति थी। वे कुछ घरेलू अनुष्ठान भी कर सकते थे जो पहले उनके लिए निषिद्ध थे। सातवीं शताब्दी में ह्वेनसांग ने शूद्रों को कृषक और वैश्यों को व्यापारी कहा था। शूद्रों की भाँति स्त्रियों को भी धार्मिक ग्रन्थ सुनने की अनुमति थी।
- कथन 3 सही नहीं है: गुप्त काल में महिलाओं की स्थिति भी दयनीय हो गई थी। पुरुषों के प्रति महिलाओं की अधीनता को पूरी तरह से नियमित कर दिया गया। लेकिन इस बात पर जोर दिया गया कि पुरुषों द्वारा उनकी रक्षा की जानी चाहिए और उनके साथ उदारतापूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए। गुप्त काल में उच्च वर्ग की महिलाओं को आजीविका के स्वतंत्र स्रोतों तक पहुंच नहीं थी। निचले वर्ण की महिलाएँ अपनी आजीविका कमाने के लिए स्वतंत्र थीं, जिससे उन्हें काफी स्वतंत्रता मिलती थी जो उच्च वर्ण की महिलाओं को नहीं मिलती थी।

64. उत्तर डी

- अशोक के शासनकाल में जनता के मामलों को निपटाने तथा उनके बारे में नियमित रिपोर्ट प्राप्त करने की व्यवस्था की गई थी।
- पतिवेदकों को हर समय लोगों के मामलों के बारे में अशोक को रिपोर्ट करने के लिए नियुक्त किया गया था।
- पुरालेखशास्त्रियों ने पाटिवेडका शब्द का अनुवाद संवाददाता के रूप में किया है।

65. Answer D

- By the twelfth century A.D., Buddhism was practically extinct in India. It continued to exist in a changed form in Bengal and Bihar till the twelfth century, but after that, this religion almost completely vanished from the country. What were its causes? We find that in the beginning every religion is inspired by the spirit of reform, but eventually, it succumbs to rituals and ceremonies it originally denounced. Buddhism underwent a similar metamorphosis. It became a victim to the evil of Brahmanism against which it had fought in the beginning. Hence statement 1 is correct.
- To meet the Buddhist challenge the brahmins reformed their religion. They stressed the need for preserving the cattle wealth and assured women and Sudras of admission to heaven. Buddhism, on the other hand, changed for the worse. Gradually the Buddhist monks were cut off from the mainstream of people's life; they gave up Pali, the language of the people, and took to Sanskrit, the language of intellectuals. Hence statement 2 is correct.

66. Answer C

- Archaeologists have discovered thousands of seals, mostly made of steatite, and occasionally of agate, chert, copper, faience, and terracotta, with beautiful figures of animals, such as unicorn bull, rhinoceros, tiger, elephant, bison, goat, buffalo, etc. Some seals have also been found in ivory. Hence, statements 1 and 2 are correct.
- Every seal is engraved in a pictographic script which is yet to be deciphered. Hence, statement 3 is correct.

65. उत्तर डी

- बारहवीं शताब्दी ई. तक भारत में बौद्ध धर्म व्यावहारिक रूप से विलुप्त हो गया था। बारहवीं सदी तक यह बंगाल और बिहार में परिवर्तित रूप में अस्तित्व में रहा, लेकिन उसके बाद यह धर्म देश से लगभग पूरी तरह लुप्त हो गया। इसके क्या कारण थे? हम पाते हैं कि शुरुआत में हर धर्म सुधार की भावना से प्रेरित होता है, लेकिन अंततः, यह उन रीति-रिवाजों और समारोहों के आगे झुक जाता है जिनकी उन्होंने मूल रूप से निंदा की थी। बौद्ध धर्म भी इसी तरह का कायापलट से गुजरा। यह ब्राह्मणवाद की उस बुराई का शिकार हो गया जिसके विरुद्ध इसने शुरुआत में लड़ाई लड़ी थी। अतः कथन 1 सही है।
- बौद्ध चुनौती का सामना करने के लिए ब्राह्मणों ने अपने धर्म में सुधार किया। उन्होंने पशुधन के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया और महिलाओं और शूद्रों को स्वर्ग में प्रवेश का आश्वासन दिया, दूसरी ओर, बौद्ध धर्म बदतर स्थिति में बदल गया। धीरे-धीरे बौद्ध भिक्षु जन-जीवन की मुख्यधारा से कटते गये; उन्होंने लोगों की भाषा पाली को छोड़ दिया और बुद्धिजीवियों की भाषा संस्कृत को अपना लिया। अतः कथन 2 सही है।

66. उत्तर C

- पुरातत्वविदों ने हजारों मुहरें खोजी हैं, जो ज्यादातर स्टीटाइट से बनी हैं, और कभी-कभी एगेट, चर्ट, तांबे, फ़ाइनेस और टेराकोटा से बनी हैं, जिनमें गेंडा बैल, गेंडा, बाघ, हाथी, बाइसन, बकरी, भैंस, आदि जैसे जानवरों की सुंदर आकृतियाँ हैं। हाथी दांत की कुछ मुहरें भी मिली हैं। इसलिए, कथन 1 और 2 सही हैं।
- प्रत्येक मुहर एक चित्रात्मक लिपि में उत्कीर्ण है जिसे अभी तक समझा नहीं जा सका है। अतः, कथन 3 सही है।

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

67. Answer B

- They set up their rule in southern Karnataka around the fourth century. Their kingdom lay between that of the Pallavas in the east and of the Kadambas in the west. They are called Western Gangas or Gangas of Mysore in order to demarcate them from the Eastern Gangas who ruled in the Kalinga from the fifth century onwards. For most of the time, the Western Gangas were the feudatories of the Pallavas. Hence statement 2 is correct.
- The Western Gangas made land grants mostly to the Jainas; the Kadambas also made grants to the Jainas, but they favored the Brahmanas more. Pallavas also granted numerous villages free of taxes largely to the Brahmanas. Hence statement 3 is correct.
- Satavahanas: After the fall of the Mauryan Empire, the history of the Andhras, as a continuous account of political and cultural events, commences with the rise of the Satavahanas as a political power. According to Matsya Purana, there were 29 rulers of this dynasty. They ruled over the Andhradesa including Deccan for about 400 years from the 2nd century B.C. to beyond the 2nd century A.D. Satavahanas were also called Salivahanas and Satakarnis. In the 3rd century B.C., Simukha, the founder of the Satavahana dynasty, unified the various Andhra principalities into one kingdom and became its ruler (271 B.C. – 248 B.C.). Dharanikota near Amaravati in Guntur district was the first capital of Simukha, but later he shifted his capital to Pratishthana (Paithan in Aurangabad district). Thus the Satavahanas were not the contemporaries of the Western Gangas. Hence statement 1 is not correct.

67. उत्तर B

- उन्होंने चौथी शताब्दी के आसपास दक्षिणी कर्नाटक में अपना शासन स्थापित किया। उनका राज्य पूर्व में पल्लवों और पश्चिम में कदंबों के बीच था। उन्हें पश्चिमी गंगा या मैसूर की गंगा कहा जाता है ताकि उन्हें पूर्वी गंगा से अलग किया जा सके जिन्होंने पांचवीं शताब्दी से कलिंग में शासन किया था। अधिकांश समय तक पश्चिमी गंगा पल्लवों के सामंत थे। अतः कथन 2 सही है।
- पश्चिमी गंगा ने अधिकतर जैनियों को भूमि अनुदान दिया; कदंबों ने जैनियों को भी अनुदान दिया, लेकिन उन्होंने ब्राह्मणों का अधिक समर्थन किया। पल्लवों ने ब्राह्मणों को बड़े पैमाने पर करों से मुक्त कई गाँव भी दिए। अतः कथन 3 सही है।
- सातवाहन: मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद, आंध्र का इतिहास, राजनीतिक और सांस्कृतिक घटनाओं के निरंतर विवरण के रूप में, एक राजनीतिक शक्ति के रूप में सातवाहन के उदय के साथ शुरू होता है। मत्स्य पुराण के अनुसार इस वंश के 29 शासक थे। उन्होंने ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी से लगभग 400 वर्षों तक दक्कन सहित आंध्रदेश पर शासन किया। दूसरी शताब्दी ई. से आगे तक सातवाहनों को सलिवाहन और शातकर्णी भी कहा जाता था। तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में, सातवाहन राजवंश के संस्थापक सिमुखा ने विभिन्न आंध्र रियासतों को एक राज्य में एकीकृत किया और इसके शासक बने (271 ईसा पूर्व - 248 ईसा पूर्व)। गुंटूर जिले में अमरावती के पास धरणीकोटा सिमुखा की पहली राजधानी थी, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी राजधानी प्रतिष्ठान (औरंगाबाद जिले में पैठण) में स्थानांतरित कर दी। इस प्रकार सातवाहन पश्चिमी गंगा के समकालीन नहीं थे। अतः कथन 1 सही नहीं है।

68. Answer D

- Escaping into the forest remained an option, as reflected in the Jataka story. Meanwhile, other strategies aimed at increasing production to meet the growing demand for taxes also came to be adopted. One such strategy was the shift to plough agriculture, which spread in fertile alluvial river valleys such as those of the Ganga and the Kaveri from c. sixth century BCE. Hence statement 1 is correct.
- Moreover, in some parts of the Ganga valley, the production of paddy was dramatically increased by the introduction of transplantation. Hence statement 2 is correct.
- Another strategy adopted to increase agricultural production was the use of irrigation, through wells and tanks, and less commonly, canals. Hence statement 3 is correct.

69. Answer C

- James Prinsep deciphered the Ashokan Brahmi in 1838. Hence statement 2 is correct.
- Brahmi scripts prevailed in the whole country except for the north-western part. Greek and Aramaic scripts were employed in writing Ashokan Inscriptions in Pakistan and Afghanistan.
- Brahmi continued to be the main script till the end of the Gupta period. Hence statement 3 is correct.
- The Kharosthi script (also known as 'Indo-Bactrian' script) was a writing system originally developed in present-day northern Pakistan, sometime between the 4th and 3rd century BCE.
 - It was employed to represent a form of Prakrit, an Indo-Aryan language.
 - It was written from right to left. Hence statement 1 is correct.

68. उत्तर डी

- जंगल में भागना एक विकल्प बना रहा, जैसा कि जातक कहानी में दर्शाया गया है। इस बीच, करों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से अन्य रणनीतियाँ भी अपनाई गईं। ऐसी ही एक रणनीति हल से खेती करने की ओर बदलाव थी, जो सी से गंगा और कावेरी जैसी उपजाऊ जलोढ़ नदी घाटियों में फैली हुई थी। छठी शताब्दी ईसा पूर्व. अतः कथन 1 सही है।
- इसके अलावा, गंगा घाटी के कुछ हिस्सों में, रोपाई की शुरुआत से धान के उत्पादन में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई। अतः कथन 2 सही है।
- कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए अपनाई गई एक और रणनीति कुओं और टैंकों और कम सामान्यतः नहरों के माध्यम से सिंचाई का उपयोग थी। अतः कथन 3 सही है।

69. उत्तर C

- जेम्स प्रिंसेप ने 1838 में अशोकन ब्राह्मी को समझा। इसलिए कथन 2 सही है।
- उत्तर-पश्चिमी भाग को छोड़कर पूरे देश में ब्राह्मी लिपि प्रचलित थी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में अशोक के शिलालेख लिखने में ग्रीक और अरामी लिपियों का उपयोग किया गया था।
- गुप्त काल के अंत तक ब्राह्मी मुख्य लिपि बनी रही। अतः कथन 3 सही है।
- खरोष्ठी लिपि (जिसे 'इंडो-बैक्ट्रियन' लिपि के रूप में भी जाना जाता है) एक लेखन प्रणाली थी जो मूल रूप से वर्तमान उत्तरी पाकिस्तान में चौथी और तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व के बीच विकसित हुई थी।
 - इसका उपयोग प्राकृत, एक इंडो-आर्यन भाषा के एक रूप का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया गया था।
 - यह दाएं से बाएं ओर लिखा जाता था। अतः कथन 1 सही है।

70. Answer C

- The Neolithic Age saw a man turning into a food producer from a food gatherer. It also witnessed the use of pottery for the first time. People used microlithic blades in addition to tools made of polished stone. The use of metal was unknown. Hence, statement 1 is correct.
- The Neolithic settlers were the earliest farming communities. They broke the ground with stone hoes and digging sticks at the end of which ring stones weighing one to half a kilogram were fixed. The people of the Neolithic Age cultivated ragi, horse gram, cotton, rice, wheat, and barley and hence were termed as food producers. Hence, statement 2 is correct.
- They domesticated cattle, sheep, and goats. For example, the Neolithic settlers in Piklihal were cattle-herders. They set up seasonal camps surrounded by Cowpens made with posts and stakes. In these enclosures, they accumulated dung. Then the entire camping ground was put to fire and cleared for camping the next session. But it is interesting that in Burzahom, domestic dogs were buried with their masters in their graves. Hence, statement 3 is correct.

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

70. उत्तर C

- नवपाषाण युग में मनुष्य भोजन संग्रहकर्ता से खाद्य उत्पादक बन गया। इसमें पहली बार मिट्टी के बर्तनों का उपयोग भी देखा गया। लोग पॉलिश किए गए पत्थर से बने औजारों के अलावा माइक्रोलिथिक ब्लेड का भी इस्तेमाल करते थे। धातु का उपयोग अज्ञात था। अतः, कथन 1 सही है।
- नवपाषाणकालीन निवासी सबसे शुरुआती कृषक समुदाय थे। उन्होंने पत्थर की कुदाल और खोदने वाली लकड़ियों से जमीन को तोड़ा, जिसके सिरे पर एक से आधा किलोग्राम वजन के रिंग पत्थर लगाए गए। नवपाषाण युग के लोग रागी, कुलथी, कपास, चावल, गेहूं और जौ की खेती करते थे और इसलिए उन्हें खाद्य उत्पादक कहा जाता था। अतः, कथन 2 सही है।
- वे गाय, भेड़ और बकरियों को पालते थे। उदाहरण के लिए, पिकलीहल में नवपाषाणकालीन निवासी पशुपालक थे। उन्होंने खंभों और खंभों से बने काउपेंसों से घिरे मौसमी शिविर स्थापित किए। इन बाड़ों में वे गोबर जमा करते थे। फिर पूरे कैम्पिंग ग्राउंड में आग लगा दी गई और अगले सत्र में कैम्पिंग के लिए साफ़ कर दिया गया। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि बुर्जहोम में घरेलू कुत्तों को उनके मालिकों के साथ उनकी कब्रों में दफनाया जाता था। अतः, कथन 3 सही है।



71. Answer D

- Statement 1 is incorrect: Saguna traditions focused on worship of specific deities in their anthropomorphic forms.
- Statement 2 is incorrect: Nirguna is the concept of worshipping an abstract form of God.

Bhakti and Sufi Traditions

- Historians of religion often classify bhakti traditions into two broad categories: Saguna (with attributes) and Nirguna (without attributes).
- Saguna included traditions that focused on the worship of specific deities such as Shiva, Vishnu and his avatars (incarnations) and forms of the goddess or Devi, all often conceptualized in anthropomorphic forms. In the Saguna aspect, God appears in a human form making it easier for us to come closer. There have been divine incarnations in every age to show people the path to Nirguna God.
- Nirguna bhakti, on the other hand, was worship of an abstract form of god. God in Nirguna form is in fact everywhere and in everything, but this is not easily comprehensible or "appealing" to our human intellect.
- The ultimate goal of humans is to become one in consciousness with the Nirguna form of God. But the medium through which we can reach this goal is the embodied form of God, Saguna.

71. उत्तर डी

- कथन 1 गलत है: सगुण परंपराएँ विशिष्ट देवताओं की उनके मानवरूपी रूपों में पूजा पर ध्यान केंद्रित करती हैं।
- कथन 2 गलत है: निर्गुण ईश्वर के अमूर्त रूप की पूजा करने की अवधारणा है।

भक्ति और सूफी परंपराएँ

- धर्म के इतिहासकार अक्सर भक्ति परंपराओं को दो व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत करते हैं: सगुण (विशेषताओं के साथ) और निर्गुण (विशेषताओं के बिना)।
- सगुण में ऐसी परंपराएँ शामिल थीं जो विशिष्ट देवताओं जैसे शिव, विष्णु और उनके अवतारों (अवतार) और देवी या देवी के रूपों की पूजा पर केंद्रित थीं, सभी को अक्सर मानवरूपी रूपों में परिकल्पित किया गया था। सगुण पहलू में, भगवान मानव रूप में प्रकट होते हैं जिससे हमारे लिए करीब आना आसान हो जाता है। लोगों को निर्गुण ईश्वर का मार्ग दिखाने के लिए हर युग में दैवीय अवतार हुए हैं।
- दूसरी ओर, निर्गुण भक्ति, ईश्वर के अमूर्त रूप की पूजा थी। निर्गुण रूप में ईश्वर वास्तव में हर जगह और हर चीज में है, लेकिन यह हमारी मानव बुद्धि के लिए आसानी से समझने योग्य या "आकर्षक" नहीं है।
- मनुष्य का अंतिम लक्ष्य ईश्वर के निर्गुण स्वरूप के साथ चेतना में एकाकार होना है। लेकिन जिस माध्यम से हम इस लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं वह ईश्वर का साकार रूप सगुण है।

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

72. Answer C

- Conflict between Pallavas and Chalukyas The main reasons of conflict between the Pallavas and Chalukyas in the southern Indian region from the sixth to the eighth century were - To prove supremacy over the Tungabhadra - Krishna doab region To attain prestige in this region along with maximum plunder and territorial resources.
- The attempts by Pallava princes to cross the Tungabhadra also agitated the Chalukya rulers which aggravated their conflict and struggle.

73. Answer C

- Statement 1 is incorrect: Excavations carried out by the Tamil Nadu Department of Archaeology at Mayiladumparai in Krishnagiri district have placed the beginning of the Iron Age in Tamil Nadu 4,200 years Before the Present (BP) or 2200 BCE (Before Common Era).
- Statement 2 is incorrect: Sedentism (living in one place for a long time) , use of pottery, and invention of crafts are characteristic features of the Neolithic age.
- Statement 3 is incorrect: Three rock shelters with rock paintings were also found. The paintings were done invariably with white and red pigments.
- The amalgamation of evidence unearthed at Mangadu and Thelungaur in the Mettur taluk of Salem district and today's scientific data obtained for the samples at Mayiladumparai clearly placed the introduction of iron in Tamil Nadu 4,200 years ago.

72. उत्तर सी

- पल्लवों और चालुक्यों के बीच संघर्ष छठी से आठवीं शताब्दी तक दक्षिणी भारतीय क्षेत्र में पल्लवों और चालुक्यों के बीच संघर्ष के मुख्य कारण थे - तुंगभद्रा - कृष्णा दोआब क्षेत्र पर वर्चस्व साबित करना
- इस क्षेत्र में अधिकतम लूट के साथ-साथ प्रतिष्ठा प्राप्त करना तुंगभद्रा को पार करने के पल्लव राजकुमारों के प्रयासों ने भी चालुक्य शासकों को उत्तेजित कर दिया जिससे उनका संघर्ष और बढ़ गया।

73. उत्तर सी

- कथन 1 गलत है: तमिलनाडु पुरातत्व विभाग द्वारा कृष्णागिरि जिले के मयिलाडुम्पराई में की गई खुदाई से तमिलनाडु में लौह युग की शुरुआत वर्तमान (बीपी) से 4,200 साल पहले या 2200 ईसा पूर्व (सामान्य युग से पहले) बताई गई है।
- कथन 2 गलत है: सेडेंटिज्म (लंबे समय तक एक ही स्थान पर रहना), मिट्टी के बर्तनों का उपयोग और शिल्प का आविष्कार नवपाषाण युग की विशिष्ट विशेषताएं हैं।
- कथन 3 गलत है: शैलचित्रों वाले तीन शैलाश्रय भी पाए गए। चित्र हमेशा सफेद और लाल रंगों से बनाए जाते थे।
- सेलम जिले के मेट्टूर तालुक में मंगदु और थेलुंगौर में खोदे गए साक्ष्यों और मयिलाडुम्पराई में नमूनों के लिए प्राप्त आज के वैज्ञानिक आंकड़ों के मिश्रण से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि तमिलनाडु में लोहे की शुरुआत 4,200 साल पहले हुई थी।

RACE IAS General Studies

RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS General Studies

RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations



74. Answer D

Provincial Administration of Marathas:

- The provinces were known as Prants and it was under the charge of a Subedar. The Sarsubedar used to control and supervise the work of the Subedar. The Tarfs were controlled by a havaldar. Villages or Mauzas were the lowest unit of administration.
- In rural regions, a police officer was called Faujdar and in urban regions, he was called Kotwal.
- Under the Marathas, performance-based Brahmin elites were called Kamvishdar who controlled the central bureaucracy and the local administration and also enjoyed powers of tax assessment and collection. They provided information about local conditions to the superior officials.

75. Answer D

- The decorative forms of Indo-Islamic architecture included designing on plaster through incision or stucco. The designs were either left plain or covered with colors.
- Popular colors were blue, turquoise, green, and yellow.
- Subsequently, the techniques of tessellation (mosaic designs) and pietra dura were made use of for surface decoration, particularly in the dado panels of the walls.

74. उत्तर डी

मराठों का प्रांतीय प्रशासन:

- प्रांतों को प्रांत के नाम से जाना जाता था और यह एक सूबेदार के अधीन होता था। सरसूबेदार सूबेदार के कार्यों का नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण करता था। टैरिफ का नियंत्रण एक हवलदार द्वारा किया जाता था। गाँव या मौजा प्रशासन की सबसे निचली इकाई थे।
- ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस अधिकारी को फौजदार कहा जाता था और शहरी क्षेत्रों में उसे कोतवाल कहा जाता था।
- मराठों के तहत, प्रदर्शन-आधारित ब्राह्मण अभिजात वर्ग को कामविशदार कहा जाता था जो केंद्रीय नौकरशाही और स्थानीय प्रशासन को नियंत्रित करते थे और कर निर्धारण और संग्रह की शक्तियों का भी आनंद लेते थे। उन्होंने वरीय अधिकारियों को स्थानीय परिस्थितियों की जानकारी दी।

75. उत्तर डी

इंडो-इस्लामिक वास्तुकला के सजावटी रूपों में चीरा या प्लास्टर के माध्यम से प्लास्टर पर डिजाइनिंग शामिल है। डिज़ाइन या तो सादे छोड़ दिए गए थे या रंगों से ढके हुए थे।

लोकप्रिय रंग नीला, फ़िरोज़ा, हरा और पीला थे।

इसके बाद, सतह की सजावट के लिए टेस्सेलेशन (मोज़ेक डिज़ाइन) और पिएट्रा ड्यूरा की तकनीकों का उपयोग किया जाने लगा, विशेष रूप से दीवारों के डेडो पैनेलों में।

76. Answer B

- Akbar wanted to expand his empire and maintain his hold over it with a strong army. For this purpose, it was necessary for him to organize the nobility as well as his army. Akbar realised both these objectives by means of the mansabdari system. Hence statement 1 is correct.
- The sawar rank indicated the number of cavalymen (sawars) a person was required to maintain. A person who was required to maintain as many sawars as his zat rank was placed in the first category of that rank; if he maintained half or more, then in the second category and if he maintained less than half then in the third category. Thus, there were three categories in every rank (mansab). Hence statement 2 is correct.
- The salary due to the soldiers was added to the salary of the mansabdar, who was paid by assigning to him a jagir. Sometimes, the mansabdars were paid in cash. It is wrong to think that Akbar did not like the jagir system and tried to do away with it, but failed as it was too deeply entrenched. Hence statement 3 is not correct.

77. Answer D

- Akbar introduced a new land measurement system (known as the zabti system) covering from Lahore to Allahabad, including Malwa and Gujarat. It was based on Sher Shah's land revenue system with certain modifications.
- Under the zabti system, the sown area was measured by means of the bamboo attached with iron rings. The zabti system, originally associated with Raja Todar Mal, therefore sometimes, it is called Todar Mal's Bandobast. Hence statement 3 is correct.
- The Dahsala system as instituted by Akbar, the average produce of different crops as well as the average prices prevailing over the last ten years was calculated and one-third share of the average produce was apportioned to the state. The system was adopted only in the major provinces of the Empire covering Multan, Delhi, Allahabad, Awadh, Agra, and Lahore. Hence statement 1 is correct.
- The Zabti system was further improved by Raja Todar Mal and was named as Dahsala system. Hence the Dahsala system was a further development of the Zabti system. Hence statement 2 is correct.

76. उत्तर बी

- अकबर अपने साम्राज्य का विस्तार करना चाहता था और एक मजबूत सेना के साथ उस पर अपना कब्ज़ा बनाए रखना चाहता था। इस उद्देश्य के लिए उसके लिए कुलीन वर्ग के साथ-साथ अपनी सेना को भी संगठित करना आवश्यक था। मनसबदारी व्यवस्था के माध्यम से अकबर ने इन दोनों उद्देश्यों को साकार किया। अतः कथन 1 सही है।
- सवार रैंक से पता चलता है कि एक व्यक्ति को कितने घुड़सवार सैनिकों (सवारों) को बनाए रखना आवश्यक है। जिस व्यक्ति को अपनी जात श्रेणी के अनुसार उतने ही सवार रखने की आवश्यकता होती थी, उसे उस श्रेणी की पहली श्रेणी में रखा जाता था; यदि वह आधा या अधिक बनाए रखता है, तो दूसरी श्रेणी में और यदि आधे से कम बनाए रखता है, तो तीसरी श्रेणी में। इस प्रकार प्रत्येक पद (मनसब) में तीन श्रेणियाँ होती थीं। अतः कथन 2 सही है।
- सैनिकों को देय वेतन मनसबदार के वेतन में जोड़ा जाता था, जिसका भुगतान उसे जागीर देकर किया जाता था। कभी-कभी मनसबदारों को नकद वेतन दिया जाता था। यह सोचना गलत है कि अकबर को जागीर व्यवस्था पसंद नहीं थी और उसने इसे खत्म करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा क्योंकि यह बहुत गहराई तक जमी हुई थी। अतः कथन 3 सही नहीं है।

77. उत्तर डी

- अकबर ने मालवा और गुजरात सहित लाहौर से लेकर इलाहाबाद तक एक नई भूमि माप प्रणाली (ज़ब्ती प्रणाली के रूप में जानी जाती है) शुरू की। यह कुछ संशोधनों के साथ शेरशाह की भू-राजस्व प्रणाली पर आधारित थी।
- ज़ब्ती प्रणाली के तहत, बोए गए क्षेत्र को लोहे के छल्ले से जुड़े बांस के माध्यम से मापा जाता था। ज़ब्ती प्रणाली, मूल रूप से राजा टोडर मल से जुड़ी हुई है, इसलिए कभी-कभी इसे टोडर मल का बंदोबस्त भी कहा जाता है। अतः कथन 3 सही है।
- अकबर द्वारा स्थापित दहसाला प्रणाली में विभिन्न फसलों की औसत उपज के साथ-साथ पिछले दस वर्षों में प्रचलित औसत कीमतों की गणना की जाती थी और औसत उपज का एक तिहाई हिस्सा राज्य को दिया जाता था। यह प्रणाली केवल मुल्तान, दिल्ली, इलाहाबाद, अवध, आगरा और लाहौर को कवर करने वाले साम्राज्य के प्रमुख प्रांतों में अपनाई गई थी। अतः कथन 1 सही है।
- ज़ब्ती प्रणाली को राजा टोडर मल द्वारा और बेहतर बनाया गया और इसे दहसाला प्रणाली का नाम दिया गया। इसलिए दहसाला प्रणाली ज़ब्ती प्रणाली का एक और विकास थी। अतः कथन 2 सही है।

78. Answer A

- Sufis were a group of religious persons who turned to asceticism and mysticism in the early centuries of Islam to protest the Caliphate's growing materialism as a religious and political entity. They were critical of the Caliph's use of assertive terminology and instructive ways of understanding the Qur'an and sunna (the Prophet's traditions). Hence statement 1 is not correct.
- Sufis began to form communities around a hospice, or khanqah (Persian), which was overseen by a teaching master known as a shaykh (Arabic), pir, or murshid (in Persian). They enrolled murids (disciples) and nominated successors (khalifa). Within the khanqah, they also created norms for spiritual conduct and interaction between inmates as well as laymen and the masters. Hence statement 2 is correct.
- Some mystics started movements based on Sufi ideas that became radicalized. Many people rejected the khanqah and chose mendicancy and celibacy instead. They shunned rites and practiced extreme asceticism. Qalandars, Madaris, Malangs, Haidaris, are some of such sufis. They were sometimes known as be-shari'a Sufis because of their purposeful disobedience of the shari'a, as opposed to the ba-shari'a Sufis who followed it. Hence statement 3 is not correct.

79. Answer B

- Statement 1 is correct. The Mughal copper coin was adopted from Sher Shah's dam which weighed 320 to 330 grains. Sher Shah Suri had introduced new copper coins called "Dam". He fixed a rate between the copper and silver coins. The silver rupee was also an adoption from Sher Shah's currency and was the most famous of all Mughal coins.
- Statement 2 is correct. Sahansah was the largest gold coin issued by Akbar. These coins bore the names of the Persian solar months. Akbar issued both round and square coins. In 1579, he issued gold coins called 'Ilahi coins' to propagate his new religious creed 'Din-i-Ilahi'. The value of an ilahi coin was equal to 10 rupees.
- Statement 3 is incorrect. The most famous of Jahangir's (and not Shah Jahan) coins had images of Zodiac signs. Jahangir showed the legend in a couplet on the coins. In some of his coins, he added the name of his beloved wife Noorjahan.

78. उत्तर ए

- सूफी धार्मिक व्यक्तियों का एक समूह था, जो एक धार्मिक और राजनीतिक इकाई के रूप में खलीफा के बढ़ते भौतिकवाद का विरोध करने के लिए इस्लाम की शुरुआती शताब्दियों में तपस्या और रहस्यवाद की ओर मुड़ गए थे। वे खलीफा द्वारा मुखर शब्दावली और कुरान और सुन्ना (पैगंबर की परंपराओं) को समझने के शिक्षाप्रद तरीकों के उपयोग के आलोचक थे। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- सूफियों ने एक धर्मशाला, या खानकाह (फारसी) के आसपास समुदाय बनाना शुरू कर दिया, जिसकी देखरेख शेख (अरबी), पीर या मुर्शिद (फारसी में) के नाम से जाने जाने वाले एक शिक्षण गुरु द्वारा की जाती थी। उन्होंने मुरीदों (शिष्यों) को नामांकित किया और उत्तराधिकारियों (खलीफा) को नामांकित किया। खानकाह के भीतर, उन्होंने कैदियों के साथ-साथ आम लोगों और मालिकों के बीच आध्यात्मिक आचरण और बातचीत के लिए मानदंड भी बनाए। अतः कथन 2 सही है।
- कुछ मनीषियों ने सूफी विचारों पर आधारित आंदोलन शुरू किये जो कट्टरपंथी बन गये। कई लोगों ने खानकाह को अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय भिक्षावृत्ति और ब्रह्मचर्य को चुना। उन्होंने संस्कारों को त्याग दिया और अत्यधिक तपस्या की। कलंदर, मदारी, मलंग, हैदरी, ऐसे कुछ सूफी हैं। शरीयत का पालन करने वाले बा-शरिया सूफियों के विपरीत, उन्हें कभी-कभी शरीयत की जानबूझकर अवज्ञा करने के कारण बे-शरिया सूफियों के रूप में जाना जाता था। अतः कथन 3 सही नहीं है।

79. उत्तर बी

- कथन 1 सही है। मुगल तांबे का सिक्का शेरशाह के बांध से अपनाया गया था जिसका वजन 320 से 330 ग्रैन था। शेरशाह सूरी ने "दाम" नामक नये तांबे के सिक्के चलवाये थे। उसने तांबे और चांदी के सिक्कों के बीच एक दर तय की। चाँदी का रुपया भी शेरशाह की मुद्रा का ही एक रूप था और सभी मुगल सिक्कों में सबसे प्रसिद्ध था।
- कथन 2 सही है। सहनसा अकबर द्वारा जारी किया गया सबसे बड़ा सोने का सिक्का था। इन सिक्कों पर फ़ारसी सौर महीनों के नाम अंकित थे। अकबर ने गोल और चौकोर दोनों सिक्के जारी किये। 1579 में, उन्होंने अपने नए धार्मिक पंथ 'दीन-ए-इलाही' का प्रचार करने के लिए सोने के सिक्के जारी किए जिन्हें 'इलाही सिक्के' कहा जाता था। एक इलाही सिक्के का मूल्य 10 रुपये के बराबर था।
- कथन 3 गलत है। जहाँगीर (और शाहजहाँ के नहीं) के सबसे प्रसिद्ध सिक्कों में राशि चिन्हों के चित्र थे। जहाँगीर ने सिक्कों पर एक दोहे में किंवदंती दिखाई। अपने कुछ सिक्कों में उसने अपनी प्रिय पत्नी नूरजहाँ का नाम भी जोड़ा।

80. Answer B

- Alauddin Hasan Bahman Shah was the founder of the Bahmani Kingdom, he was a descendent from the Persian ruling family of Kakuyds of the Iranian dynasty of Bahmani and Isfandar, leading right up to Bahman Gaur. Hence, statement 1 is correct.
- Alauddin Hasan Bahman Shah selected Gulbarga as his capital. He adorned the capital with several fine buildings. Hence, statement 2 is not correct.
- He put the administration of the country on a sound basis by dividing it into four provinces called tarafs, each under a governor. Hence, statement 3 is correct.

81. Answer B

- Akbar introduced a number of social and educational reforms. He stopped sati, the burning of a widow, unless she herself, of her own free will, persistently desired it. Widows of tender age who had not shared the bed with their husbands were not to be burnt at all. He prohibited only the cases where women were forced to perform sati. Hence, statement 1 is not correct.
- Widow Remarriage was also legalised. Akbar was against anyone having more than one wife unless the first wife was barren. The age of marriage was raised to 14 for girls and 16 for boys. The sale of wines and spirits was restricted. Hence, statement 2 is correct.
- Akbar also revised the educational syllabus, laying more emphasis on moral education and mathematics, and on secular subjects such as agriculture, geometry, astronomy, rules of government, logic, history, etc. Hence, statement 3 is correct.

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

80. उत्तर बी

अलाउद्दीन हसन बहमन शाह बहमनी साम्राज्य के संस्थापक थे, वह बहमनी और इस्फंदर के ईरानी राजवंश के काकुयद के फ़ारसी शासक परिवार के वंशज थे, जो बहमन गौड़ तक अग्रणी थे। अतः, कथन 1 सही है।

अलाउद्दीन हसन बहमन शाह ने गुलबर्गा को अपनी राजधानी के रूप में चुना। उसने राजधानी को कई बेहतरीन इमारतों से सजाया। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।

उन्होंने देश के प्रशासन को चार प्रांतों, जिन्हें तरफ कहा जाता है, में विभाजित करके, प्रत्येक को एक गवर्नर के अधीन करके, एक मजबूत आधार पर स्थापित किया। अतः, कथन 3 सही है।

81. उत्तर बी

- अकबर ने कई सामाजिक और शैक्षणिक सुधार किये। उन्होंने सती प्रथा, एक विधवा को जलाना बंद कर दिया, जब तक कि वह स्वयं, अपनी स्वतंत्र इच्छा से, लगातार इसकी इच्छा नहीं रखती थी। कम उम्र की विधवाएँ जिन्होंने अपने पतियों के साथ बिस्तर साझा नहीं किया था, उन्हें बिल्कुल भी नहीं जलाया जाना चाहिए। उन्होंने केवल उन मामलों पर रोक लगाई जहाँ महिलाओं को सती होने के लिए मजबूर किया जाता था। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।
- विधवा पुनर्विवाह को भी वैध कर दिया गया। अकबर किसी के भी एक से अधिक पत्नियाँ रखने के खिलाफ़ था जब तक कि पहली पत्नी बाँझ न हो। विवाह की आयु लड़कियों के लिए 14 वर्ष और लड़कों के लिए 16 वर्ष कर दी गई। वाइन और स्प्रिट की बिक्री प्रतिबंधित थी। अतः, कथन 2 सही है।
- अकबर ने शैक्षिक पाठ्यक्रम को भी संशोधित किया, जिसमें नैतिक शिक्षा और गणित और कृषि, ज्यामिति, खगोल विज्ञान, सरकार के नियम, तर्क, इतिहास आदि जैसे धर्मनिरपेक्ष विषयों पर अधिक जोर दिया गया। इसलिए, कथन 3 सही है।

82. Answer A

- The zamindars held extensive personal lands termed milkiyat, meaning property. Milkiyat lands were cultivated for the private use of zamindars, often with the help of hired or servile labour. The zamindars could sell, bequeath or mortgage these lands at will.
- In addition to owning the lands they cultivated, the zamindars had the hereditary right of collecting land revenue from a number of villages. This was called his talluqa or his zamindari. For collecting the land revenue, the zamindars received a share of the land revenue which could go up to 25 per cent in some areas. Hence, statement 1 is correct.
- The zamindar was not the 'owner' of all the lands comprising his zamindari. The peasants who actually cultivated the land could not be dispossessed as long as they paid the land revenue. Thus, the zamindars and the peasants had their own hereditary rights in land. Hence, statement 2 is not correct.
- Control over military resources was another source of power for the zamindars. Most zamindars had fortresses (qilachas) as well as an armed contingent comprising units of cavalry, artillery and infantry. Hence, statement 3 is not correct.

83. Answer B

- Jizya or Jizyah is a per capita yearly taxation historically levied in the form of financial charge on permanent non-Muslim subjects (dhimmi) of a state governed by Islamic law in order to fund public expenditures of the state, in place of the Zakat and Khums that Muslims are obliged to pay. Hence statement 1 is correct.
- This was paid on a graduated scale according to means, women, children and the indigent who had insufficient means being exempt from it.
- The brahmanas also remained exempt, though this was not provided for in the Muslim law. This changed in the reign of Firoz Shah Tughlaq where he levied that on brahmanas too. Hence statement 3 is correct.
- At first, Jizyah was collected along with land revenue. In fact it was difficult to distinguish jizyah from land revenue since all the cultivators were Hindu.
- Later, Firoz Shah Tughlaq made Jizyah a separate tax. Hence statement 2 is not correct.

82. उत्तर ए

- जमींदारों के पास व्यापक व्यक्तिगत भूमि थी जिसे मिल्कियत कहा जाता था, जिसका अर्थ संपत्ति होता है। मिल्कियात भूमि की खेती जमींदारों के निजी उपयोग के लिए की जाती थी, अक्सर किराए पर या नौकर मजदूरों की मदद से। जमींदार अपनी इच्छानुसार इन जमीनों को बेच, वसीयत या गिरवी रख सकते थे।
- अपनी खेती की ज़मीन के मालिक होने के अलावा, जमींदारों को कई गाँवों से भू-राजस्व एकत्र करने का वंशानुगत अधिकार था। इसे उनका तल्लुक्का या उनकी ज़मींदारी कहा जाता था। भू-राजस्व एकत्र करने के लिए जमींदारों को भू-राजस्व का एक हिस्सा मिलता था जो कुछ क्षेत्रों में 25 प्रतिशत तक हो सकता था। अतः, कथन 1 सही है।
- जमींदार अपनी जमींदारी वाली सभी जमीनों का 'मालिक' नहीं था। जो किसान वास्तव में भूमि पर खेती करते थे, उन्हें तब तक बेदखल नहीं किया जा सकता था जब तक वे भू-राजस्व का भुगतान करते रहे। इस प्रकार, जमींदारों और किसानों का भूमि पर अपना वंशानुगत अधिकार था। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- सैन्य संसाधनों पर नियंत्रण जमींदारों की शक्ति का एक अन्य स्रोत था। अधिकांश जमींदारों के पास किले (क़िलाचा) के साथ-साथ एक सशस्त्र टुकड़ी भी थी जिसमें घुड़सवार सेना, तोपखाने और पैदल सेना की इकाइयाँ शामिल थीं। इसलिए, कथन 3 सही नहीं है।

83. उत्तर बी

- जजिया या जजिया एक प्रति व्यक्ति वार्षिक करान है जो ऐतिहासिक रूप से जकात और खुम्स के स्थान पर राज्य के सार्वजनिक व्यय को निधि देने के लिए इस्लामी कानून द्वारा शासित राज्य के स्थायी गैर-मुस्लिम विषयों (धिममी) पर वित्तीय शुल्क के रूप में लगाया जाता है। मुसलमान भुगतान करने के लिए बाध्य हैं। अतः कथन 1 सही है।
- इसका भुगतान साधनों के अनुसार क्रमिक पैमाने पर किया जाता था, महिलाओं, बच्चों और उन गरीबों को, जिनके पास अपर्याप्त साधन थे, उन्हें इससे छूट दी जाती थी।
- ब्राह्मणों को भी छूट दी गई, हालाँकि मुस्लिम कानून में इसका प्रावधान नहीं था। यह फ़िरोज़ शाह तुगलक के शासनकाल में बदल गया जहाँ उसने ब्राह्मणों पर भी कर लगा दिया। अतः कथन 3 सही है।
- सबसे पहले जजिया की वसूली भू-राजस्व के साथ की जाती थी। वास्तव में जजिया को भू-राजस्व से अलग करना कठिन था क्योंकि सभी कृषक हिंदू थे।
- बाद में फ़िरोज़ शाह तुगलक ने जजिया को एक अलग कर बना दिया। अतः कथन 2 सही नहीं है।

84. Answer B

- Some of the earliest bhakti movements (c. sixth century) were led by the Alvars (literally, those who are "immersed" in devotion to Vishnu) and Nayanars (literally, leaders who were devotees of Shiva). They looked upon religion not as a matter of cold, formal worship but as a living bond based on love between the god and the worshipper. They traveled from place to place singing hymns in Tamil in praise of their gods. Hence, statement 1 is correct.
- Interestingly, one of the major themes in Tamil bhakti hymns is the poets' opposition to Buddhism and Jainism. This is particularly marked in the compositions of the Nayanars. Historians have attempted to explain this hostility by suggesting that it was due to competition between members of other religious traditions for royal patronage. Hence, statement 2 is correct.
- The bhakti movement not only won to the fold of Hinduism many adherents of Buddhism and Jainism, but they also won over many tribals. Many of the tribals from hilly areas became settled agriculturists in river valleys. These were the areas often held by Brahmans who introduced new agricultural techniques, or by temples where tribal gods were assimilated as supporters of Vishnu or Shiva. Hence, statement 3 is not correct.

85. Answer C

- Statements 1 and 2 are correct: Delhi Sultanate was formally an Islamic State. Qazis headed various posts in the Justice Department under the Sultanate. The head Qazi headed the Department of Justice. The qazis dispensed civil law based on Muslim Law (Sharia). The Hindus were governed by their own personal laws which were dispensed by the Panchayats and Guilds in the villages and by leaders of the various castes.
- Statement 3 is correct: Criminal Law was based on regulations framed for the purpose by the rulers. The sultans had to supplement the Muslim Law by framing their own regulations (zawabit). Barani said these regulations made the state far from truly Islamic to a more worldly or jahandari.

84. उत्तर बी

- कुछ शुरुआती भक्ति आंदोलनों (लगभग छठी शताब्दी) का नेतृत्व अलवर (शाब्दिक रूप से, जो विष्णु की भक्ति में "डूबे" थे) और नयनार (शाब्दिक रूप से, नेता जो शिव के भक्त थे) ने किया था। वे धर्म को ठंडी, औपचारिक पूजा के विषय के रूप में नहीं बल्कि भगवान और उपासक के बीच प्रेम पर आधारित एक जीवित बंधन के रूप में देखते थे। वे अपने देवताओं की स्तुति में तमिल में भजन गाते हुए एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते थे। अतः, कथन 1 सही है।
- दिलचस्प बात यह है कि तमिल भक्ति भजनों का एक प्रमुख विषय कवियों का बौद्ध धर्म और जैन धर्म का विरोध है। नयनारों की रचनाओं में यह विशेष रूप से अंकित है। इतिहासकारों ने यह सुझाव देकर इस शत्रुता को समझाने का प्रयास किया है कि यह शाही संरक्षण के लिए अन्य धार्मिक परंपराओं के सदस्यों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण था। अतः, कथन 2 सही है।
- भक्ति आंदोलन ने न केवल बौद्ध धर्म और जैन धर्म के कई अनुयायियों को हिंदू धर्म में शामिल किया, बल्कि उन्होंने कई आदिवासियों को भी अपने पक्ष में कर लिया। पहाड़ी इलाकों के कई आदिवासी नदी घाटियों में बसे कृषक बन गए। ये वे क्षेत्र थे जो अक्सर ब्राह्मणों के कब्जे में थे जिन्होंने नई कृषि तकनीकें शुरू कीं, या मंदिरों के पास थे जहां आदिवासी देवताओं को विष्णु या शिव के समर्थकों के रूप में शामिल किया गया था। इसलिए, कथन 3 सही नहीं है।

85. उत्तर सी

- कथन 1 और 2 सही हैं: दिल्ली सल्तनत औपचारिक रूप से एक इस्लामिक राज्य था। क्राज़ी सल्तनत के तहत न्याय विभाग में विभिन्न पदों का नेतृत्व करते थे। प्रधान काज़ी न्याय विभाग का प्रमुख होता था। काज़ियों ने मुस्लिम कानून (शरिया) के आधार पर नागरिक कानून जारी किया। हिंदू अपने निजी कानूनों द्वारा शासित होते थे जो गांवों में पंचायतों और गिल्लों और विभिन्न जातियों के नेताओं द्वारा वितरित किए जाते थे।
- कथन 3 सही है: आपराधिक कानून शासकों द्वारा इस उद्देश्य के लिए बनाए गए नियमों पर आधारित था। सुल्तानों को अपने स्वयं के नियम (ज़वाबित) बनाकर मुस्लिम कानून को पूरक करना पड़ा। बरनी ने कहा कि इन नियमों ने राज्य को वास्तव में इस्लामी से दूर अधिक सांसारिक या जहांदारी बना दिया।

86. Answer A

- Statement 1 is correct: Balban was the first sultan who created a separate department diwani-i- arz under Ariz-i-mamluk.
- Statement 2 is not correct: Ariz-i-mamluk was not the commander-in-chief of the armed forces as the sultan himself was the commander-in-chief. Ariz maintained a descriptive role of each and every soldier in the army and was only second to the office of Wazir. He was the official during the sultanate responsible for the administration of the army, including recruiting, payment of salaries, supplies, and transportation but he had no right to declare war or lead the army as commander-in-chief.

86. उत्तर ए

- कथन 1 सही है: बलबन पहला सुल्तान था जिसने अरिज-ए-मामलिक के तहत एक अलग विभाग दीवान-ए-अर्ज़ बनाया।
- कथन 2 सही नहीं है: आरिज-ए-मामलिक सशस्त्र बलों का कमांडर-इन-चीफ नहीं था क्योंकि सुल्तान स्वयं कमांडर-इन-चीफ था। एरीज़ ने सेना में प्रत्येक सैनिक की एक वर्णनात्मक भूमिका बनाए रखी और वज़ीर के कार्यालय में केवल दूसरे स्थान पर था। वह सल्तनत के दौरान सेना के प्रशासन के लिए जिम्मेदार अधिकारी था, जिसमें भर्ती, वेतन का भुगतान, आपूर्ति और परिवहन शामिल था, लेकिन उसे युद्ध की घोषणा करने या कमांडर-इन-चीफ के रूप में सेना का नेतृत्व करने का कोई अधिकार नहीं था।

RACE IAS General Studies**RACE IAS** General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations**RACE IAS** General Studies**RACE IAS** General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

87. Answer C

- The system of education which had been gradually developed in the earlier period continued during the medieval period without much change.
- There was no idea of mass education at that time. People learned what they felt was needed for their livelihood.
- Reading and writing were confined to a small section, mostly Brahmanas and some sections of the upper classes, including kayasthas. Hence statement 1 is correct.
- Sometimes, temples made arrangements for education at higher levels as well. Generally, a student had to go to the house of a teacher or live with him for getting initiation into higher education.
- The main subjects studied were the various branches of the Vedas and grammar, logic, and philosophy which included science.
- The responsibility for giving education for a craft or profession was generally left to the guilds or individual families. Hence statement 2 is correct.
- The growth of science in the country slowed down during the period so that in course of time, India was no longer regarded as a leading country in the field of science. Thus surgery declined because the dissection of dead bodies was regarded as fit only for people of low castes. In fact, surgery became the profession of barbers. Astronomy was gradually pushed into the background of astrology. However, some advances were made in the field of mathematics. The Lilawati of Bhaskara II which was written during this period remained a standard text for a long time. Some advances were made in the field of medicine by the use of minerals, especially mercury. Reasons were a lack of growth in society and a tendency for the Indians to isolate.

RACE IAS General Studies

RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS General Studies

RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations

87. उत्तर सी

- शिक्षा की जो प्रणाली पहले के काल में धीरे-धीरे विकसित हुई थी वह मध्यकाल में भी बिना अधिक परिवर्तन के जारी रही।
- उस समय सामूहिक शिक्षा का कोई विचार नहीं था। लोगों ने वही सीखा जो उन्हें अपनी आजीविका के लिए आवश्यक लगा।
- पढ़ना और लिखना एक छोटे वर्ग तक ही सीमित था, ज्यादातर ब्राह्मण और कायस्थों सहित उच्च वर्गों के कुछ वर्ग। अतः कथन 1 सही है।
- कभी-कभी मन्दिर उच्च स्तर पर भी शिक्षा की व्यवस्था करते थे। आमतौर पर उच्च शिक्षा की दीक्षा लेने के लिए विद्यार्थी को शिक्षक के घर जाना पड़ता था या उनके साथ रहना पड़ता था।
- अध्ययन किए गए मुख्य विषय वेदों की विभिन्न शाखाएँ और व्याकरण, तर्क और दर्शन थे जिनमें विज्ञान भी शामिल था।
- किसी शिल्प या पेशे की शिक्षा देने की जिम्मेदारी आमतौर पर श्रेणियों या व्यक्तिगत परिवारों पर छोड़ दी जाती थी। अतः कथन 2 सही है।
- इस अवधि के दौरान देश में विज्ञान का विकास इतना धीमा हो गया कि समय के साथ, भारत को विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी देश नहीं माना जाने लगा। इस प्रकार सर्जरी का पतन हो गया क्योंकि शवों का विच्छेदन केवल निम्न जाति के लोगों के लिए उपयुक्त माना जाता था। दरअसल, सर्जरी नाइयों का पेशा बन गया। धीरे-धीरे खगोल विज्ञान को ज्योतिष की पृष्ठभूमि में धकेल दिया गया। हालाँकि, गणित के क्षेत्र में कुछ प्रगति हुई। इस काल में लिखी गई भास्कर द्वितीय की लीलावती लंबे समय तक एक मानक बन रही। खनिजों, विशेषकर पारे के उपयोग से चिकित्सा के क्षेत्र में कुछ प्रगति हुई। इसका कारण समाज में विकास की कमी और भारतीयों में अलगाव की प्रवृत्ति थी।



88. Answer D

- Ulama (plural of alim, or one who knows) are scholars of Islamic studies. Muslim rulers were to be guided by the ulama, who were expected to ensure that they ruled according to the shari'a.
- As preservers of this tradition, they performed various religious, judicial and teaching functions. Hence the correct answer is option (d)

89. Answer C

- Statement 1 is Incorrect - This particular reform was undertaken by Alauddin Khilji of the Khilji dynasty. He wanted to fix the costs of all commodities from cooking oil, needle, food grains, sugar to costly imported horses, cattle and slaves. This was to reduce prices so that he could pay less to the soldiers and hence maintain a larger army to counter the Mongol threat. The market regulation came to an end with his death. It is not clear if it applied only over Delhi or all over India.
- Statement 2 is Correct - Alauddin was the first monarch in the sultanate to insist that in the Doab, land revenue was to be based on area under cultivation. This meant that rich and powerful landlords could not pass the burden of taxes over the poor and those with little land. Writer Barani has given a detailed account of the impact of this policy on the Khuts and Muqaddams.
- Statement 3 is Correct - Muhammad Bin Tughlaq was the son of the founder of the dynasty, Ghiyasuddin Tughlaq. He was the only Delhi Sultan who had received a comprehensive literary, religious, and philosophical education. He was open minded and very tolerant in religious matters. He conversed with hindu Yogis and Jain saints along with Muslim clerics. He gave high offices to people based on merit irrespective of whether they had a noble background or not. His only weakness was his temper and impatience. This was why many noblemen didn't like him.

88. उत्तर डी

उलमा (आलिम का बहुवचन, या जानने वाला) इस्लामी अध्ययन के विद्वान हैं। मुस्लिम शासकों को उलेमा द्वारा निर्देशित किया जाना था, जिनसे यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा की गई थी कि वे शरिया के अनुसार शासन करेंगे।

इस परंपरा के संरक्षक के रूप में, उन्होंने विभिन्न धार्मिक, न्यायिक और शिक्षण कार्य किए। अतः सही उत्तर विकल्प (डी) है

89. उत्तर सी

- कथन 1 गलत है - यह विशेष सुधार खिलजी वंश के अलाउद्दीन खिलजी द्वारा किया गया था। वह खाना पकाने के तेल, सुई, खाद्यान्न, चीनी से लेकर महंगे आयातित घोड़ों, मवेशियों और दासों तक सभी वस्तुओं की कीमतें तय करना चाहते थे। इसका उद्देश्य कीमतों को कम करना था ताकि वह सैनिकों को कम भुगतान कर सके और इस प्रकार मंगोल खतरे का मुकाबला करने के लिए एक बड़ी सेना बनाए रख सके। उनकी मृत्यु के साथ बाजार विनियमन समाप्त हो गया। यह स्पष्ट नहीं है कि यह केवल दिल्ली में लागू हुआ या पूरे भारत में।
- कथन 2 सही है - अलाउद्दीन सल्तनत में पहला राजा था जिसने इस बात पर जोर दिया कि दोआब में भू-राजस्व खेती के क्षेत्र पर आधारित होना चाहिए। इसका मतलब यह था कि अमीर और शक्तिशाली जमींदार गरीबों और कम जमीन वाले लोगों पर कर का बोझ नहीं डाल सकते थे। लेखक बरनी ने खुत्स और मुकदम पर इस नीति के प्रभाव का विस्तृत विवरण दिया है।
- कथन 3 सही है - मुहम्मद बिन तुगलक राजवंश के संस्थापक गयासुद्दीन तुगलक का पुत्र था। वह दिल्ली के एकमात्र सुल्तान थे जिन्होंने व्यापक साहित्यिक, धार्मिक और दार्शनिक शिक्षा प्राप्त की थी। वह धार्मिक मामलों में खुले विचारों वाले और बहुत सहिष्णु थे। उन्होंने मुस्लिम मौलवियों के साथ-साथ हिंदू योगियों और जैन संतों से बातचीत की। उन्होंने योग्यता के आधार पर लोगों को उच्च पद दिए, भले ही उनकी पृष्ठभूमि कुलीन हो या नहीं। उनकी एकमात्र कमजोरी उनका गुस्सा और अधीरता थी। यही कारण था कि अनेक महानुभाव उसे पसंद नहीं करते थे।

90. Answer A

- Statement 1 is incorrect: Bulban was himself one of the turkish chiefs and had arrogated all power to himself. He refused to entertain important government posts for anyone who did not belong to a noble family. This virtually meant exclusion of even Indian muslims from positions of power and authority.
- Statement 2 is correct: Although he wanted to break the power of the chahalgani (the 40) and didn't like the non-turks, but to win the public's confidence, he administered justice with extreme impartiality. Not even the highest in the land were spared if they transgressed his authority.
- Statement 3 is correct: He was not prepared to share power with anyone, even though he considered himself a champion of the Turkish nobility. He excluded non-Turks from the administration. He dissatisfied many by basing his rule over a very narrow racial group. This led to much disturbance and troubles after his death.

91. Answer D

- Statement 1 is correct: By the end of the 9th century, the Abbasid Caliphate was in decline and replaced by a series of states ruled by Islamized Turks. After entering the empire as palace guards and mercenary soldiers, they emerged as king makers. As the power of the central government declined, provincial governors started assuming independent status and these new rulers assumed the title of 'amir' at first and of 'sultan' later on.
- Statement 2 is correct: The Turks brought with them the habit of ruthless plunder, their main mode of warfare consisted of rapid advance and retreat, lightning raids, and any loose body of stragglers. They could do this because of the excellent quality of their horses as also their hardihood so that they could cover incredible distances on horseback.
- Statement 3 is correct: Break up of Gurjara-Pratihara empire led to a phase of political uncertainty in north India, and a new phase of struggle for domination. As a result, little attention was paid to the emergence of aggressive, expansionist Turkish states on the northwestern border of India and in West Asia.

90. उत्तर ए

- कथन 1 गलत है: बुलबन स्वयं तुर्की प्रमुखों में से एक था और उसने सारी शक्ति अपने पास रख ली थी। उन्होंने ऐसे किसी भी व्यक्ति को महत्वपूर्ण सरकारी पद देने से इनकार कर दिया जो कुलीन परिवार से नहीं था। इसका मतलब वस्तुतः भारतीय मुसलमानों को भी सत्ता और प्राधिकार के पदों से बाहर करना था।
- कथन 2 सही है: हालाँकि वह चहलगानी (40) की शक्ति को तोड़ना चाहता था और गैर-तुर्कों को पसंद नहीं करता था, लेकिन जनता का विश्वास जीतने के लिए, उसने अत्यधिक निष्पक्षता के साथ न्याय किया। यदि उन्होंने उसके अधिकार का उल्लंघन किया तो देश के सबसे ऊँचे लोगों को भी नहीं बख्शा गया।
- कथन 3 सही है: वह किसी के साथ सत्ता साझा करने के लिए तैयार नहीं था, भले ही वह खुद को तुर्की कुलीन वर्ग का चैंपियन मानता था। उसने गैर-तुर्कों को प्रशासन से बाहर कर दिया। उन्होंने एक बहुत ही संकीर्ण नस्लीय समूह पर अपना शासन आधारित करके कई लोगों को असंतुष्ट कर दिया। इससे उनकी मृत्यु के बाद काफी अशांति और परेशानियाँ पैदा हुईं।

91. उत्तर डी

- कथन 1 सही है: 9वीं शताब्दी के अंत तक, अब्बासिद खलीफा का पतन हो गया था और उसकी जगह इस्लामी तुर्कों द्वारा शासित राज्यों की एक श्रृंखला ने ले ली थी। महल के रक्षकों और भाड़े के सैनिकों के रूप में साम्राज्य में प्रवेश करने के बाद, वे राजा निर्माता के रूप में उभरे। जैसे-जैसे केंद्र सरकार की शक्ति घटती गई, प्रांतीय गवर्नरों ने स्वतंत्र स्थिति धारण करना शुरू कर दिया और इन नए शासकों ने पहले 'अमीर' और बाद में 'सुल्तान' की उपाधि धारण की।
- कथन 2 सही है: तुर्क अपने साथ निर्मम लूट की आदत लेकर आए थे, उनके युद्ध के मुख्य तरीकों में तेजी से आगे बढ़ना और पीछे हटना, बिजली के हमले और भटकते लोगों का कोई भी समूह शामिल था। वे अपने घोड़ों की उत्कृष्ट गुणवत्ता और उनकी दृढ़ता के कारण ऐसा कर सके ताकि वे घोड़े पर अविश्वसनीय दूरी तय कर सकें।
- कथन 3 सही है: गुर्जर-प्रतिहार साम्राज्य के टूटने से उत्तर भारत में राजनीतिक अनिश्चितता का दौर शुरू हुआ और वर्चस्व के लिए संघर्ष का एक नया चरण शुरू हुआ। परिणामस्वरूप, भारत की उत्तर-पश्चिमी सीमा और पश्चिम एशिया में आक्रामक, विस्तारवादी तुर्की राज्यों के उद्भव पर बहुत कम ध्यान दिया गया।

92. Answer C

- Statement 1 is correct: Alberuni belonged to Khiva and presented before Mahmud of Ghazni as a prisoner after he conquered Khiva. He came to India with Mahmud and was a profound scholar with command over Persian and Arabic. He wrote Tahqiq -i- hind in arabic where he described the social, political and economic condition of India. He also wrote Qanun-i-masudi, a book on astronomy and Jawahir-fil-Jawahir, a book on mineralogy.
- Statement 2 is incorrect: His works were meant to acquaint his Ghaznavid ruler with Hinduism. He never visited any centres of Brahmanic scholarship like Kannauj, Varanasi and Kashmir, but had informants in the form of Sanskrit scholars and educated merchants.
- Statement 3 is correct: He quoted from Patanjali's Yoga Sutra, the Bhagavad Gita and the Samkhya karika to substantiate his assertions. Apart from providing a penetrating study of human relationships and cultural complexities in various faiths, he defines the hindu colour divisions as classes (tabaqat) and the castes (jati) as birth divisions (nasab). According to him the sudras were antyaja or casteless.

92. उत्तर सी

- कथन 1 सही है: अल्बरूनी खिवा का था और खिवा पर विजय प्राप्त करने के बाद वह गजनी के महमूद के सामने एक कैदी के रूप में पेश हुआ। वह महमूद के साथ भारत आया था और फ़ारसी और अरबी पर अधिकार रखने वाला एक गहन विद्वान था। उन्होंने अरबी में तहकीक-ए-हिंद लिखा जिसमें उन्होंने भारत की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक स्थिति का वर्णन किया। उन्होंने खगोल विज्ञान पर एक पुस्तक कानून-ए-मसुदी और खनिज विज्ञान पर एक पुस्तक जवाहिर-फिल-जवाहिर भी लिखी।
- कथन 2 ग़लत है: उनके कार्यों का उद्देश्य उनके गज़नवी शासक को हिंदू धर्म से परिचित कराना था। उन्होंने कभी भी कन्नौज, वाराणसी और कश्मीर जैसे ब्राह्मण विद्वता के केंद्रों का दौरा नहीं किया, लेकिन उनके पास संस्कृत के विद्वान और शिक्षित व्यापारी थे।
- कथन 3 सही है: उन्होंने अपने दावे को पुष्ट करने के लिए पतंजलि के योग सूत्र, भगवद गीता और सांख्य कारिका का हवाला दिया। विभिन्न आस्थाओं में मानवीय रिश्तों और सांस्कृतिक जटिलताओं का गहन अध्ययन प्रदान करने के अलावा, वह हिंदू रंग विभाजन को वर्गों (तबकात) के रूप में और जातियों (जाति) को जन्म विभाजन (नसाब) के रूप में परिभाषित करते हैं। उनके अनुसार शूद्र अन्त्यज या जातिविहीन थे।

93. Answer A

- Statement 1 is Incorrect -The Vijayanagar kingdom constituted four dynasties — Sangama (c.1336–1485 CE), Saluva (c.1485–1503 CE), Tuluva (c.1503–1570 CE) and Aravidu (till the end of the 17th century). Vijayanagara's main rivals were the Sultans of Madurai in the south and Bahmani Sultanate in the north. Rama Raya was a minister of Sada Siva Raya (c.1542–1570 CE) - Last ruler of Tuluva dynasty. Rama Raya tried to balance the Deccan powers by playing one against the other. His constantly changing sides to improve his own position eventually prompted the Sultanates to form an alliance. The Deccan states (Bijapur, Ahmadnagar, Golkonda and Bidar, except Berar) thus formed a confederacy and inflicted a crushing blow on the Vijayanagar armies at Bannihatti in the battle of Talaikotta in c.1565 CE. This battle is also known as Rakshasa Thangadi. Rama Raya was imprisoned and executed and the city of Vijayanagar was destroyed.
- Statement 2 is Incorrect - Muskets, a superior military technology, were used for the first time by Portuguese and they were able to expand their territory in India in the reign of Vijayanagara Kingdom.
- Statement 3 is correct. Foreign traveller Abdur Razaqq noted that Vijayanagara Kingdom fortified not only the city but also the agricultural hinterland and forests for protecting the agricultural belts.

93. उत्तर ए

- कथन 1 गलत है - विजयनगर साम्राज्य में चार राजवंश थे - संगम (लगभग 1336-1485 ई.पू.), सालुवा (लगभग 1485-1503 ई.पू.), तुलुवा (लगभग 1503-1570 ई.पू.) और अराविदु (17वीं सदी के अंत तक) शतक। विजयनगर के मुख्य प्रतिद्वंद्वी दक्षिण में मद्रुरै के सुल्तान और उत्तर में बहमनी सल्तनत थे। राम राय सदा शिव राय (लगभग 1542-1570 ई.) के मंत्री थे - तुलुव वंश के अंतिम शासक। राम राय ने एक दूसरे के विरुद्ध खेलकर दक्कन की शक्तियों को संतुलित करने का प्रयास किया। अपनी स्थिति में सुधार के लिए उनके लगातार बदलते पाला ने अंततः सल्तनत को गठबंधन बनाने के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार दक्कन के राज्यों (बीजापुर, अहमदनगर, गोलकुंडा और बीदर, बरार को छोड़कर) ने एक संघ बनाया और लगभग 1565 ई. में तलाइकोटा की लड़ाई में बन्नीहट्टी में विजयनगर सेनाओं को करारी शिकस्त दी। इस युद्ध को राक्षस थंगाडी के नाम से भी जाना जाता है। राम राय को कैद कर लिया गया और मार डाला गया और विजयनगर शहर को नष्ट कर दिया गया।
- कथन 2 गलत है - एक बेहतर सैन्य तकनीक, मस्कट का उपयोग पहली बार पुर्तुगेस द्वारा किया गया था और वे विजयनगर साम्राज्य के शासनकाल में भारत में अपने क्षेत्र का विस्तार करने में सक्षम थे।
- कथन 3 सही है- विदेशी यात्री अब्दुर रज़ाक़ ने उल्लेख किया कि विजयनगर साम्राज्य ने कृषि बेल्टों की रक्षा के लिए न केवल शहर बल्कि कृषि भीतरी इलाकों और जंगलों को भी मजबूत किया।

94. Answer B

- Statement 1 is Incorrect : Sher Shah, even though a pious Muslim, adopted a tolerant attitude towards other religions. He employed Hindus in important offices.
 - His last campaign was against Kalinjar (Bundelkhand), in which he succeeded but died from an accidental explosion of gunpowder in c.1545 CE
 - Statement 2 is Correct : The system of tri-metalism which came to characterise Mughal coinage was largely the creation, not of the Mughals but of Sher Shah Suri (1540 to 1545 AD), an Afghan, who ruled for a brief time in Delhi. Sher Shah issued a coin of silver which was termed the Rupiya. This weighed 178 grains and was the precursor of the modern rupee. It remained largely unchanged till the early 20th Century. Together with the silver Rupiya were issued gold coins called the Mohur weighing 169 grains and copper coins called Dam.
 - Statement 3 is Incorrect : Sher Shah Suri was a patron of art and architecture. He built many forts and mosques among other architecture.
- o He built the Rohtas Fort (now a UNESCO World Heritage Site in Pakistan)
- o He built Many structures in Rohtasgarh fort in Bihar.

95. Answer B

- Statement 1 is Correct : Under the administration of Sher Shah Suri, the government was highly centralised and consisted of several departments. There were also many administrative units called iqta.
 - Statement 2 is Correct : He improved the land revenue system by adopting Zabti-i-har-sal (land assessment every year) and classified all cultivable lands into three heads (good, middle, bad).
 - Statement 3 is Incorrect : The state's share was one third of the average produce and it was paid in cash or crop. Land was measured using Sikandari gaz (32 points). Sher Shah introduced two documents:
- o Patta (amount each peasant had to pay)
- o Qabuliyat (Deed of agreement).

94. उत्तर बी

- कथन 1 गलत है: शेरशाह ने एक धर्मपरायण मुसलमान होते हुए भी अन्य धर्मों के प्रति सहिष्णु रवैया अपनाया। उन्होंने महत्वपूर्ण कार्यालयों में हिंदुओं को नियुक्त किया।
 - उनका अंतिम अभियान कालिंजर (बुंदेलखंड) के खिलाफ था, जिसमें वे सफल हुए लेकिन 1545 ई. में बारूद के एक आकस्मिक विस्फोट से उनकी मृत्यु हो गई।
 - कथन 2 सही है: त्रि-धातुवाद की प्रणाली जो मुगल सिक्के की विशेषता के रूप में सामने आई, वह काफी हद तक मुगलों की नहीं बल्कि एक अफगानी शेर शाह सूरी (1540 से 1545 ईस्वी) की रचना थी, जिसने दिल्ली में थोड़े समय के लिए शासन किया था। शेरशाह ने चाँदी का एक सिक्का जारी किया जिसे रूपिया कहा जाता था। इसका वजन 178 ग्रेन था और यह आधुनिक रुपये का अग्रदूत था। 20वीं सदी की शुरुआत तक यह काफी हद तक अपरिवर्तित रहा। चाँदी रुपिया के साथ सोना भी जारी किया गया
 - मोहर नामक सिक्के जिनका वजन 169 ग्रेन होता है और ताँबे के सिक्के जिन्हें दाम कहा जाता है।
 - कथन 3 गलत है: शेरशाह सूरी कला और वास्तुकला का संरक्षक था। उन्होंने अन्य वास्तुकला के अलावा कई किले और मस्जिदें भी बनवाईं।
- o उन्होंने रोहतास किला (अब पाकिस्तान में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल) का निर्माण कराया।
- o उन्होंने बिहार के रोहतासगढ़ किले में कई संरचनाएँ बनवाईं।

95. उत्तर बी

- कथन 1 सही है: शेरशाह सूरी के प्रशासन के तहत, सरकार अत्यधिक केंद्रीकृत थी और इसमें कई विभाग शामिल थे। वहाँ कई प्रशासनिक इकाइयाँ भी थीं जिन्हें इक्ता कहा जाता था।
 - कथन 2 सही है: उन्होंने ज़ब्ती-ए-हर-सल (हर साल भूमि मूल्यांकन) को अपनाकर भू-राजस्व प्रणाली में सुधार किया और सभी खेती योग्य भूमि को तीन प्रमुखों (अच्छी, मध्यम, बुरी) में वर्गीकृत किया।
 - कथन 3 गलत है: राज्य का हिस्सा औसत उपज का एक तिहाई था और इसका भुगतान नकद या फसल में किया जाता था। भूमि की माप सिकन्दरी गज (32 अंक) से की गई। शेरशाह ने दो दस्तावेज़ पेश किये:
- o पट्टा (प्रत्येक किसान को भुगतान की जाने वाली राशि)
- o काबुलियत (समझौते का विलेख)।

RACE IAS General Studies

RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS General Studies

RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations

96. Answer C

- Statement 1 is Correct : During the medieval period Indian society was divided into two broad divisions based on religion. In English documents and records of the period the Hindus are referred to as 'Gentoos' (Gentiles) and the Muslims as 'Moors'. The two communities differed with respect to social manners and etiquette; even their forms of salutation were different. They differed in the respect of dress and diet too. Each community had its own religious festivals. The social rites and ceremonies of the two communities, on occasions of birth and marriage, for instance, were different
- Statement 2 & 3 is Correct : The overwhelming majority of the Muslims were descendants of Hindu converts; but there was a tendency on their part to claim foreign descent with a view to securing political and social advantages. They were generally looked down upon by bona fide Turanians and Iranians; but they were received on equal terms in mosques during the Friday prayers and also on occasions of principal religious festivals. There was no bar to inter-marriage on racial grounds. A Muslim of low birth could rise to a high rank in the nobility by dint of ability or through the favour of fortune. The Muslim society had far greater internal mobility than the Hindu society.

97. Answer C

- Statement 1 is Correct : The Mughal empire was divided into twelve subas or provinces by Akbar. These were Allahabad, Agra, Awadh, Ajmer, Ahmedabad, Bihar, Bengal, Delhi, Kabul, Lahore, Malwa, and Multan. Later on Ahmednagar, Berar, and Khandesh were added. With the expansion of the Mughal empire, the number of provinces increased to twenty.
- Statement 2 is Correct : The port administration was independent of the provincial authority. The governor of the port was called Mutasaddi who was directly appointed by the Emperor. Mutasaddi collected taxes on merchandise and maintained a customs house. He also supervised the mint house at the port.

RACE IAS General Studies

RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS General Studies

RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations

96. उत्तर सी

- कथन 1 सही है: मध्यकाल के दौरान भारतीय समाज धर्म के आधार पर दो व्यापक विभागों में विभाजित था। उस काल के अंग्रेजी दस्तावेजों और अभिलेखों में हिंदुओं को 'जेंटूज़' (गैर-यहूदी) और मुसलमानों को 'मूर्स' कहा गया है। दोनों समुदाय सामाजिक शिष्टाचार और शिष्टाचार के संबंध में भिन्न थे; यहां तक कि उनके अभिवादन के तरीके भी अलग-अलग थे। पहनावे और खान-पान को लेकर भी उनमें मतभेद था। प्रत्येक समुदाय के अपने धार्मिक त्यौहार होते थे। उदाहरण के लिए, जन्म और विवाह के अवसरों पर दोनों समुदायों के सामाजिक संस्कार और समारोह अलग-अलग थे
- कथन 2 और 3 सही है: मुसलमानों का भारी बहुमत हिंदू धर्मांतरितों के वंशज थे; लेकिन राजनीतिक और सामाजिक लाभ हासिल करने की दृष्टि से उनमें विदेशी मूल का दावा करने की प्रवृत्ति थी। प्रामाणिक तुरानियों और ईरानियों द्वारा आम तौर पर उन्हें हेय दृष्टि से देखा जाता था; लेकिन शुक्रवार की नमाज़ के दौरान और प्रमुख धार्मिक त्यौहारों के अवसरों पर मस्जिदों में उनका समान रूप से स्वागत किया गया। नस्लीय आधार पर अंतर-विवाह पर कोई रोक नहीं थी। कम जन्म का मुसलमान योग्यता के बल पर या भाग्य की कृपा से कुलीन वर्ग में उच्च पद तक पहुंच सकता है। मुस्लिम समाज में हिंदू समाज की तुलना में कहीं अधिक आंतरिक गतिशीलता थी।

97. उत्तर सी

- कथन 1 सही है: मुगल साम्राज्य को अकबर द्वारा बारह सूबों या प्रांतों में विभाजित किया गया था। ये थे इलाहाबाद, आगरा, अवध, अजमेर, अहमदाबाद, बिहार, बंगाल, दिल्ली, काबुल, लाहौर, मालवा और मुल्तान। बाद में अहमदनगर, बरार और खानदेश को इसमें जोड़ा गया। मुगल साम्राज्य के विस्तार के साथ प्रांतों की संख्या बढ़कर बीस हो गई।
- कथन 2 सही है: बंदरगाह प्रशासन प्रांतीय प्राधिकरण से स्वतंत्र था। बंदरगाह के गवर्नर को मुतसद्दी कहा जाता था जिसे सीधे सम्राट द्वारा नियुक्त किया जाता था। मुतासद्दी ने माल पर कर एकत्र किया और एक सीमा शुल्क घर बनाए रखा। वह बंदरगाह पर टकसाल घर की भी देखरेख करता था।



98. Answer A

Alauddin implemented price control measures for various types of market goods. Alauddin's courtier Amir Khusro and the 14th century writer Hamid Qalandar suggest that Alauddin introduced these reforms for the public welfare. However, Barani states that Alauddin wanted to reduce prices, so that lower pay would be acceptable to his soldiers and thus, ensure the maintenance of a large army. Hence option (a) is correct.

99. Ans (b)

Exp:-

Department	Function
1. Diwan-i-insha	Department of correspondence
2. Diwan-i-Wazarat	Department of Revenue and Finances
3. Diwan-i-Barid	Intelligence Department

100. Answer (a)

Exp:- Statement 1 is correct:

The art and architecture of the Delhi Sultanate period was distinct from the Indian style. The Turks introduced arches, domes, lofty towers or minarets and decorations using the Arabic script.

Statement 2 correct:

They used the skill of the Indian stone cutters. They also added colour to their buildings by using marbles, red and yellow sand stones. So their architecture did not lack marbles.

Statement 3 is incorrect:

Muslims forbidden to replicate living forms on any surface, developed their religious art and architecture consisting of the arts of arabesque, geometrical patterns and calligraphy on plaster and stone. They did not use any living beings in decorating their sculptures and structures. So they decorated their structures using flowers, Arabic script and geometric patterns. (Not animals)

98. उत्तर ए

अलाउद्दीन ने विभिन्न प्रकार की बाजार वस्तुओं के लिए मूल्य नियंत्रण उपाय लागू किए। अलाउद्दीन के दरबारी अमीर खुसरो और 14वीं सदी के लेखक हामिद कलंदर का सुझाव है कि अलाउद्दीन ने ये सुधार लोक कल्याण के लिए पेश किए थे। हालाँकि, बरनी का कहना है कि अलाउद्दीन कीमतें कम करना चाहता था, ताकि उसके सैनिकों को कम वेतन स्वीकार्य हो और इस प्रकार, एक बड़ी सेना का रखरखाव सुनिश्चित हो सके। अतः विकल्प (ए) सही है।

99. उत्तर (बी)

विभाग समारोह

1. दीवान-ए-इंशा पत्राचार विभाग
2. दीवान-ए-वज़ारत राजस्व और वित्त विभाग
3. दीवान-ए-बरीद खुफिया विभाग

100. उत्तर (ए)

- कथन 1 सही है:
दिल्ली सल्तनत काल की कला और वास्तुकला भारतीय शैली से भिन्न थी। तुर्कों ने अरबी लिपि का उपयोग करके मेहराब, गुंबद, ऊँचे टावर या मीनार और सजावट की शुरुआत की।
- कथन 2 सही:
उन्होंने भारतीय पत्थर काटने वालों के कौशल का उपयोग किया। उन्होंने संगमरमर, लाल और पीले बलुआ पत्थरों का उपयोग करके अपनी इमारतों में रंग भी जोड़ा। इसलिए उनकी वास्तुकला में संगमरमर की कमी नहीं थी।
- कथन 3 गलत है:
मुसलमानों ने किसी भी सतह पर जीवित आकृतियों को दोहराने से मना कर दिया, उन्होंने अपनी धार्मिक कला और वास्तुकला विकसित की जिसमें अरबी कला, ज्यामितीय पैटर्न और प्लास्टर और पत्थर पर सुलेख शामिल थे। उन्होंने अपनी मूर्तियों और संरचनाओं को सजाने में किसी भी जीवित प्राणी का उपयोग नहीं किया। इसलिए उन्होंने अपनी संरचनाओं को फूलों, अरबी लिपि और ज्यामितीय पैटर्न (जानवरों का नहीं) का उपयोग करके सजाया।